■ आश्विन शुक्ल - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 73 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 05-10-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'कोकीन' कांग्रेस बन गई है देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी : भाजपा

6 विश्व-युद्ध की पृष्ठभूमि में इजरायल, हमास लेबनान ईरान युद्ध

7 भारत सामाजिक सुरक्षा समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा : पीयूष गोयल

फर्स्ट टेक

जयशंकर एससीओ की बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान जाएंगे

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर अक्टूबर के मध्य में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तान की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को यह घोषणा की। पाकिस्तान अक्टूबर के मध्य में एससीओ के शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक की मेजबानी करेगा। जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''विदेश मंत्री एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए हमारे प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह सम्मेलन 15 और 16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में आयोजित किया जाएगा।'' प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि विदेश मंत्री केवल एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए पाकिस्तान जायेंगे।

मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू अगले सप्ताह भारत आएंगे

नई दिल्ली/भाषा। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू सोमवार से पांच दिन की भारत यात्रा पर आएंगे जिसका उद्देश्य पिछले साल नवंबर से तनाव में चल रहे रिश्तों को फिर से संवारना है। मालदीव के राष्ट्रपति ने जून में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में हिस्सा लिया था, लेकिन यह उनकी पहली द्विपक्षीय भारत यात्रा होगी। विदेश मंत्रालय ने मुइज्जू की यात्रा की घोषणा करते हुए कहा कि इससे सहयोग को और रफ्तार मिल सकती है तथा दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों में मजबूती आ सकती है। उसने कहा, ''मालदीव गणराज्य के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू छह अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक राजकीय यात्रा पर भारत आएंगे।''

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर अबतक के उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 12.59 अरब डॉलर बढ़कर अबतक के उच्चतम स्तर 704.88 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.29 अरब डॉलर पर जा पहुंचा था। मौजूदा 12.59 अरब डॉलर, अब तक की सबसे अधिक साप्ताहिक वृद्धि में से एक है। यह पहली बार है जब भंडार 700 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर गया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार 27 सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 10.47 अरब डॉलर बढ़कर 616.15 अरब डॉलर हो गई।

सूर्यास्त 05-10-2024 5:55 बजे	सूर्योदय 06-10-2024 5:58 बजे
BSE 81,688.45 (-808.65)	NSE 25,014.60 (-235.50)
सोना 7,953 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 101,000 रु. प्रति किलो

देश को विकसित बनाने के लिए बुनियादी सुधार जारी रहेंगे : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया को बताया महत्वपूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और रूस-यूक्रेन युद्ध का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि ये दोनों क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं।

उनकी यह टिप्पणी पश्चिम एशिया में संघर्ष के तीव्र होने की आशंकाओं के बीच आई है। ईरान के हमले के बाद इजरायल की तरफ से जवाबी कार्रवाई करने और फिर संघर्ष बढ़ने की आशंका पैदा हो गई है। ऐसा होने पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां 'कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन' के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए घरेलू मोर्चे पर भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने में मदद करने के लिए संरचनात्मक सुधारों को जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, यह सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है जब दुनिया के दो बड़े क्षेत्र युद्ध जैसी स्थिति के करीब हैं। ये दो बड़े क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

भारत अपनी 85 प्रतिशत से अधिक पेट्रोलियम जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। कच्चे तेल और गैस का बड़ा हिस्सा पश्चिम एशिया से आयात किया जाता है लिहाजा इजराइल-ईरान संघर्ष लंबा खिंचने पर आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, इन बड़ी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच हम सभी यहां 'भारतीय युग' को देख रहे हैं, भारत पर चर्चा कर रहे हैं। यह भारत के प्रति विश्वास को दर्शाता है। चाहे विज्ञान, प्रौद्योगिकी या नवाचार हो, भारत स्पष्ट रूप से एक अच्छी स्थिति में है।

तिरुपति लड्डू विवादः स्वतंत्र एसआईटी का हुआ गठन

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने तिरुपति लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए पांच सदस्यीय ''स्वतंत्र'' विशेष जांच दल (एसआईटी) का शुक्रवार को गठन करने के साथ ही स्पष्ट किया कि वह अदालत का ''राजनीतिक युद्ध के मैदान'' के रूप में इस्तेमाल किए जाने की अनुमति नहीं देगा। यह आदेश इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि शीर्ष अदालत द्वारा नियुक्त जांच दल उस एसआईटी का स्थान लेगा जिसका गठन आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुपति लड्डुओं को बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए 26 सितंबर को किया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि एसआईटी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और आंध्र प्रदेश पुलिस के दो-दो अधिकारियों के अलावा एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) का एक वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होगा।

पीठ ने कहा, ''हम स्पष्ट करते हैं कि हम न्यायालय का राजनीतिक युद्ध के मैदान के रूप में इस्तेमाल नहीं होने देंगे।

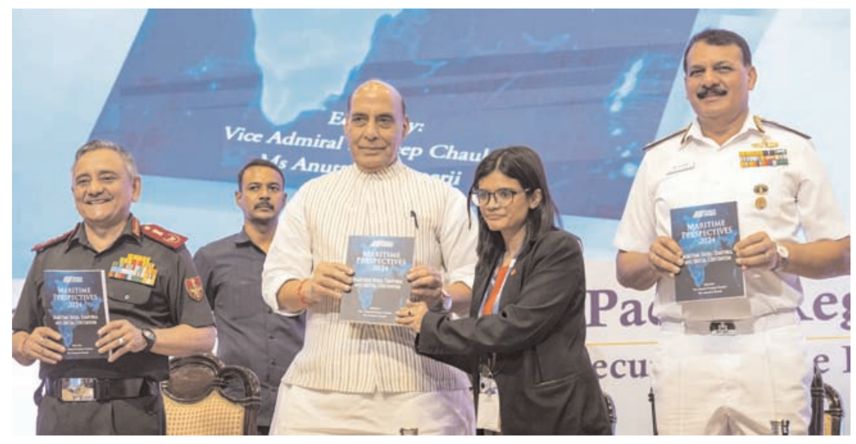

भारत ने सतत रूप से विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की है : राजनाथ

■ हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत का दृष्टिकोण, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के विचार पर आधारित है, क्योंकि हम ऐसी साझेदारी को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं, जो सतत विकास, आर्थिक विकास और आपसी सुरक्षा को प्राथमिकता देती हो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का लगातार समर्थन किया है और क्षेत्रीय संवाद, स्थिरता और सामूहिक विकास को बढ़ावा देने में आसियान की केंद्रीयता पर जोर देते हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा दिया है। उनके बयान क्षेत्र में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभुत्व के बीच आए हैं।

यहां हिंद-प्रशांत क्षेत्रीय वार्ता (आईपीआरडी) 2024 को संबोधित करते हुए सिंह ने रणनीतिक कारणों से महत्वपूर्ण संसाधनों पर एकाधिकार करने और उन्हें हथियार बनाने के कुछ प्रयासों पर चिंता व्यक्त की और इन प्रवृत्तियों को वैश्विक भलाई के प्रतिकूल बताया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि अपने साझेदारों के साथ भारत का जुड़ाव इस समझ पर आधारित है कि सच्ची प्रगति केवल सामूहिक कार्रवाई और तालमेल के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती है और इन प्रयासों के कारण, अब देश को इस क्षेत्र में एक विश्वसनीय और पसंदीदा सुरक्षा साझेदार और पहली प्रतिक्रिया देने वाले के रूप में देखा जाता है। रक्षा मंत्रालय ने उनके हवाले से एक विज्ञप्ति में कहा, ''हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत का दृष्टिकोण, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास) के विचार पर आधारित है, क्योंकि हम ऐसी साझेदारी को बढ़ावा देने में विश्वास करते हैं, जो सतत विकास, आर्थिक विकास और आपसी सुरक्षा को प्राथमिकता देती हो।''

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 32 नक्सली ढेर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दंतेवाड़ा/एजेन्सी। छत्तीसगढ़ में दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर सुरक्षा बल के जवानों और नक्सलियों के बीच शुक्रवार को हुई मुठभेड़ में अब तक 32 माओवादी मारे जा चुके हैं।

सुरक्षा बलों के साथ जारी मुठभेड़ में अब तक 32 नक्सली मारे गये जिनमें से 28 नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं मुठभेड़ स्थल से अब तक एके-47 राइफल, एसएलआर जैसी ऑटोमैटिक बंदूकें व भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए गए हैं। इससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मुठभेड़ में बड़े कैडर के इनामी नक्सली भी मारे गए हैं। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ अभी जारी है और मारे गए नक्सलियों की संख्या में बढ़ोतरी भी हो सकती है। अबूझमाड़ क्षेत्र में यह मुठभेड़ नेंदूर एवं थुलथुली गांव के जंगलों में हो रही है। पुलिस तथा नक्सलियों के बीच आज दोपहर से ही मुठभेड़ जारी है, जिसमें करीब 28 नक्सलियों के शव बरामद किये गए हैं।

भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है : मोहन भागवत

कोटा (राजस्थान)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि

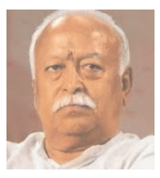

भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है और अब इसे और अधिक प्रगतिशील, सक्षम और मजबूत इकाई में बदलना होगा। वह राजस्थान के बारां में अपने चार-दिवसीय दौरे के दूसरे दिन एक संवाद सत्र के दौरान एक स्वयंसेवक द्वारा पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। आरएसएस सरसंघचालक ने पुष्टि की कि भारत हमेशा से हिंदू राष्ट्र रहा है और इसे और अधिक उन्नत, सक्षम और मजबूत बनाया जाना चाहिए। समाज को आरएसएस से जोड़ने के तरीके के बारे में उन्होंने कहा कि अजनबियों को परिचितों में, परिचितों को साथियों में और साथियों को स्वयंसेवकों में बदला जाना चाहिए।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने इजराइल पर मिसाइल हमले की सराहना की; कहा:

फिर किये जाएंगे इजराइल पर हमले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तेहरान/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने इजराइल पर अपने देश के हालिया मिसाइल हमले की शुक्रवार को सराहना की और कहा कि जरूरत पड़ी तो यह फिर से ऐसा करने के लिए तैयार है। सरकारी टेलीविजन की खबरों में यह जानकारी दी गई।

खामेनेई ने पांच साल में पहली बार, शुक्रवार की नमाज के दौरान नेता के तौर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए मिसाइल हमले को ईरान के सशस्त्र बलों का एक ''शानदार'' काम करार दिया।

खामेनेई (80) ने तेहरान के मुख्य नमाज स्थल मुसल्ला मस्जिद में हजारों लोगों को संबोधित करते हुए, 40 मिनट के अपने भाषण में कहा कि लगभग एक साल पहले 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमास के नेतृत्व में किया गया हमला फलस्तीनी लोगों की एक वैध कार्रवाई थी। उन्होंने कहा कि मंगलवार को किया गया मिसाइल हमला अंतरराष्ट्रीय कानून, देश के कानून और इस्लामी मान्यताओं पर आधारित था। उन्होंने अफगानिस्तान से लेकर यमन, और ईरान से लेकर गाजा एवं यमन तक के देशों से दुश्मन के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। साथ ही ऐसी कार्रवाई करने के दौरान जान गंवाने वाले लोगों की सराहना की। उन्होंने कहा, ''लेबनान और फलस्तीन में प्रतिरोध करने वाले हमारे लोग, आप बहादुर लड़ाके, वफादार और संयमी हैं...ये शहादतें और जो खून बहा है, उससे आपका दृढ़ संकल्प नहीं डगमगाना चाहिए, बल्कि आपको और अधिक दृढ़ बनाना चाहिए।''

भारत को सैन्य उत्पादन में चीन की बराबरी करने की जरूरत : वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वायुसेना का लक्ष्य स्वदेशीकरण कार्यक्रम के तहत 2047 तक अपनी सभी आवश्यकताओं से जुड़े उत्पादन भारत में करना है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को आपूर्ति में देरी को पाटने के अपने वादे के अनुसार सालाना 24 तेजस हल्के लड़ाकू विमानों का उत्पादन करना चाहिए।

भारतीय वायुसेना दिवस आठ अक्टूबर से पहले एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल ने कहा कि भारत को प्रौद्योगिकी और सैन्य उपकरणों के उत्पादन की गति के मामले में चीन के बराबर पहुंचने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हम अपने पड़ोसी से 'बहुत पीछे हैं'।

वायुसेना प्रमुख सिंह ने साथ ही कहा कि भारतीय सेना विभिन्न आयुध प्रणालियों और रक्षा मशीनों को संचालित करने वाले कर्मियों सहित कार्मिकों के मामले में बहुत आगे है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जहां तक जवानों का सवाल है, जहां तक मशीन के पीछे काम करने वाले लोगों का सवाल है, तो हम उनसे बहुत आगे हैं।

एयर चीफ मार्शल ने कहा, ''जहां तक प्रौद्योगिकी का सवाल है, हमारी स्थिति उतनी अच्छी नहीं है। हम पिछड़ गए हैं। कुछ समय पहले हम प्रौद्योगिकी में उनसे बेहतर थे; लेकिन अब हम उसमें पिछड़ गए हैं और हमें उनसे आगे निकलने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक उत्पादन दर का सवाल है, हम काफी पीछे हैं। हमें उस स्तर तक पहुंचने की जरूरत है जो समय के साथ होगा। यह रातोरात नहीं हो सकता।''

बेरूत के दक्षिणी उपनगरीय इलाकों में इजराइल का भीषण हवाई हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेरूत/एपी। इजराइल ने शुक्रवार को एक बार फिर सिलसिलेवार हवाई हमले करते हुए उपनगरीय बेरूत को निशाना बनाया और लेबनान तथा सीरिया के बीच मुख्य सड़क संपर्क को अवरुद्ध कर दिया। इजराइली बमबारी के कारण लेबनान से भाग रहे हजारों लोग जिस सीमावर्ती स्थल से सीरिया में प्रवेश करते हैं, वह इसी मार्ग पर स्थित है।

रातभर हुए विस्फोटों ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरीय इलाकों को हिलाकर रख दिया। हवाई बमबारी के कारण रात में धुएं के गुबार और आग की लपटें उठती दिखीं। विस्फोट इतने शक्तिशाली थे कि लेबनान की राजधानी से कई किलोमीटर दूर स्थित इमारतें तक हिल गईं।

इजराइली सेना ने कहा कि उसने मध्य रात्रि के आसपास हिजबुल्ला के केंद्रीय खुफिया मुख्यालय को निशाना बनाया। उसने यह नहीं बताया कि उसका लक्ष्य कौन था या उस हमले में कोई आतंकवादी मारा गया या नहीं।हालांकि उसने दावा किया कि पिछले 24 घंटे में उसने हिजबुल्ला के 100 लड़ाकों को मार गिराया है।

लेबनान की सरकारी 'नेशनल न्यूज एजेंसी' ने क्षेत्र में लगातार 10 से अधिक हवाई हमले होने की सूचना दी है।

इस बीच, इजराइली सेना ने कहा कि हिजबुल्ला ने शुक्रवार को इजराइल में लगभग 100 रॉकेट दागे। इजराइली सेना ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एक दिन पहले बेरूत में एक हमले में हिजबुल्ला के संचार प्रभाग के प्रमुख मोहम्मद राशिद स्केफी की मौत हो गई थी।

अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन के हूती विद्रोहियों पर हवाई हमले किए

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी और ब्रिटेन की सेनाओं ने यमन में हूती विद्रोहियों के एक दर्जन से अधिक ठिकानों पर शुक्रवार को हमला कर उनकी हथियार प्रणालियों, अड्डों और अन्य उपकरणों को निशाना बनाया। अमेरिकी अधिकारियों ने इस हमले की पुष्टि की। यमन के हूती विद्रोहियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। अधिकारियों के अनुसार, हूती विद्रोहियों के पांच स्थानों पर स्थित विभिन्न ठिकानों पर सैन्य विमानों और युद्धपोतों के जरिए बमबारी की गई। हूती मीडिया में जारी खबरों में बताया गया कि प्रमुख बंदरगाह शहर होदेदा के हवाई अड्डे तथा हूती नियंत्रण वाले सैन्य अड्डे कथीब पर सात हमले किए गए। इसमें बताया गया कि यमन की राजधानी सना के सेयाना क्षेत्र में चार तथा धमार प्रांत में दो हमले किए गए।

पाकिस्तान में नाइक का जिस तरह स्वागत किया गया, वह 'निंदनीय'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विवादित इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक का पाकिस्तान में जिस तरह स्वागत किया गया उसे 'निंदनीय' बताते हुए भारत ने शुक्रवार को कहा कि यह 'आश्चर्यजनक' बात नहीं है। मलेशिया में रहने वाले नाइक ने मंगलवार को पाकिस्तान की करीब एक महीने की यात्रा शुरू की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, ''हमने रिपोर्ट देखी हैं कि उसे (जाकिर नाइक) पाकिस्तान में सम्मानित किया गया है। वहां उसका गर्मजोशी से स्वागत किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हमारे लिए यह आश्चर्यजनक बात नहीं है कि एक भारतीय भगोड़े का पाकिस्तान में उच्च स्तरीय स्वागत किया गया है। यह निराशाजनक और निंदनीय है, लेकिन साथ ही

यह आश्चर्यजनक भी नहीं है।''

जायसवाल नाइक की पाकिस्तान यात्रा पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। नाइक कथित धन शोधन और नफरत भरे भाषणों के माध्यम से उग्रवाद को भड़काने के लिए भारतीय अधिकारियों द्वारा वांछित है। वह 2016 में भारत से चला गया था। मलेशिया में महाथिर मोहम्मद के नेतृत्व वाली पिछली सरकार ने इस्लामी उपदेशक को अपने देश में स्थायी निवास की अनुमति दी थी।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बँधी सोच

हैं विश्व शांति के पोषक पर,
चर्चा में रखते सदा युद्ध।
युग के संबंधों को तज कर,
पल में हो जाते बड़े क्रुद्ध।
संकीर्ण अभी भी मनोभाव,
चाहे खुद को कह लें प्रबुद्ध।
हम हुए खुले में शौच मुक्त,
पर खुली सोच के हैं विरुद्ध।।

एफसीआई के कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां भारतीय खाद्य निगम के क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। 14 सितम्बर से शुरु हुए इस पखवाड़े का समापन 30 सितम्बर को हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वर वंदना द्वारा सहायक श्रेणी.खख(तकनीकी) पी दीपिका की। मंचासीन अतिथि और वरिष्ठ अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम के स्वागत भाषण में सहायक महाप्रबंधक(राजभाषा) धीरेंद्र सिंह बोनाल ने कहा कि हिंदी पखवाड़े के दौरान अंताक्षरी, समाचार पत्र पठन, हिंदी टिप्पण एवं आलेखन, हिंदी प्रश्नोत्तरी एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिताओं में कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। जिससे उनके हिंदी कार्य के प्रति मनोबल बढ़ेगा। यह मेरा अटूट विश्वास है।

इसके उपरांत उद्घाटन भाषण अरुण कुमार, उप महाप्रबंधक(राजभाषा) द्वारा दिया गया। उन्होंने सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा कि वे अपने कार्यालयीन कामकाज में राजभाषा हिंदी में प्रयोग अधिक से अधिक करें एवं साथ-साथ क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान रखना और उसके माध्यम से राजभाषा में काम करना आसान हो जाता है। आज के इस अवसर पर हम हिंदी के उन सभी महान कवियों और लेखकों को याद करते हैं, जिन्होंने हिंदी भाषा को समृद्ध बनाया। हम सबको उनकी रचनाओं से प्रेरणा लेनी चाहिए और हमें हिंदी को आगे बढ़ाने में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होने यहां भी कहा कि आज का युग सूचना प्रौद्योगिकी का है, जिसके माध्यम से टिप्पण व पत्राचार में वृद्धि कर सकते हैं और तमिलनाडु क्षेत्र को राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट स्थान दिला सकते हैं।

मुख्य अतिथि भाषा विशेषज्ञ, केंद्रीय शास्त्रीय तमिल संस्थान के डॉ एम गोविंदराजन ने अपने संबोधन भाषण में कहा कि हिंदी हमारे लिए काम नही है हिंदी हमारे लिए सांस है जिसके बिना हम जीवन यापन कर नहीं सकते।

तमिलनाडु क्षेत्र के महाप्रबंधक प मुत्तुमारन ने अपने अध्यक्षीय भाषण में तमिल और हिंदी की समृद्धता के बारे में बात रखी। कार्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन हमें हिंदी भाषा के प्रति जागरूक करता है और इसके प्रयोग को बढ़ावा देता है। इस अवसर पर हमने विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित किए है, जिसके माध्यम से अधिकारियों/कर्मचारियों के बीच हिंदीतर क्षेत्र में हिंदी का वातावरण बनाने में सफल रहा है, जिसके लिए राजभाषा अनुभाग को बधाई देता है।

हिंदी पखवाड़े के दौरान आयोजित विभिन्न राजभाषा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुणाल कुमार गुप्ता, प्रबंधक(राजभाषा) द्वारा किया गया एवं धन्यवाद ज्ञापन लोकेश कुमार शाह के आर, राजभाषा सहायक द्वारा दिया गया।

श्रीमद् देवी भागवत कथा में महिलाओं द्वारा निकाली गई कलश यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। माधावरम स्थित शारदीय नवरात्रि सेवा समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में माता रानी के भक्तों द्वारा गुरुवार से नौ दिवसीय संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा का शुभारंभ किया गया। माधावरम बस स्टैंड के पास स्थित राजराजेश्वरी कल्याण मंडपम में आयोजित कथा का शुभारंभ सायं 4.30 बजे हुआ। कथा के पूर्व दोपहर 2:30 बजे माधावरम स्थित शिव मंदिर से महिलाओं ने रंग-बिरंगे परिधानो में सिर पर कलश रखकर ढोल बाजों पर थिरकते हुए नगर भ्रमण करते हुए कलश यात्रा निकाली। बच्चे तथा महिलाओं ने सड़क पर नृत्य करते हुए बड़े गर्मजोशी के साथ माता के आगमन एवम नवरात्रि पूजा का आरंभ होने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। कथा आयोजक डीके पांडे, प्रभाकर, टी एन तिवारी, विष्णु सिंघानिया, पूजा एवम आरती आचार्य पंडित समीर मिश्र सहित अनेक कार्यकर्ता व्यवस्था में अहम भूमिका निभाई।

जो गुरु के भावों को जानता है, वह जीवन में वैसा ही सीखता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के जन्मोत्सव के चौथे दिन ज्ञान ध्यान से सुरभित शीर्षक पर महासती दिव्ययशाश्रीजी ने कहा कि महापुरुषों के जन्मदिन तप-त्याग करने के लिए आते हैं। कई लोग शरीर, वस्त्रों को सुरभित करने के लिए इत्र, सेंट का प्रयोग करते हैं। लेकिन युवाचार्यश्री ज्ञान, ध्यान से जीवन को सुरभित कर रहे हैं। आनंद गुरु के शब्द, शिक्षा और लक्ष्य ज्ञान से भरे थे। उनका अनुसरण करते हुए युवाचार्यश्री का जीवन ज्ञान और ध्यान से सुरभित रहा है। उन्होंने कहा ज्ञान ही जीवन का ईश्वर है। सूर्य का उजाला विश्व भर में है। लेकिन ज्ञान का उजाला हजारों सूर्य भी उदित हो जाए तो भी ज्ञान की बराबरी नहीं कर सकते। कल्प वृक्ष, चिंतामणि भी ज्ञान के समान नहीं है। मन का मैलापन दूर करना है तो ज्ञान जरूरी है। आनंद ऋषिजी ने युवाचार्यश्री को ज्ञान की घूंट पिला दी। उन्होंने आचार्य आनंद ऋषिजी से छंद, सवैया सीखी है। जो गुरु के भावों को

जानता है, वह जीवन में वैसा ही सीखता है। वही उनका उत्तराधिकारी बनने योग्य होता है। वे सभी प्रकार की संपदाओं से परिपूर्ण है। उनके ज्ञान के साथ विनय का सामंजस्य है। उन्होंने अपने गुरु से ज्ञान का खजाना हासिल कर लिया। उन्होंने कहा गुरु जीवन के अंधकार को मिटा देते हैं। ज्ञान के उजाले को नयन सुख के माध्यम से आलोकित कर सकते हैं। उन्होंने अपने जीवन को ज्ञान, ध्यान से सजाया है। जो धर्म का ज्ञान, अध्यात्म का ज्ञान मिला है, वह भवोभव साथ में चलेगा। युवाचार्य भगवंत ज्ञान रत्नों का भंडार है। वे जनहित के लिए ज्ञान को लुटा रहे हैं। अपना एक मिनट भी समय व्यर्थ नहीं करते। अपने आत्मज्ञान में सदा लीन, तल्लीन रहते हैं। उनका जीवन महकता चन्दन है। वे उत्कृष्ट संयम साधना की मिसाल है। साधु जीवन में उपसर्ग, परिषह है, वे समभाव से सहन कर रहे हैं। श्रमण संघ की बागडोर, जो उनके जीवन का दायित्व है, उसे पूर्ण करेंगे। इस दौरान पुच्छिस्सुणं संपुट की बीसवीं गाथा का जाप हुआ। युवाचार्यश्री के जीवन पर आधारित एक लघु नाट्य मंचन हुआ। पूना, कवर्धा, रायपुर, हैदराबाद, अमरावती, सूरत, इंदौर, वडगांव, कांकरोली, मेट्टुपालयम आदि क्षेत्रों से गुरुभक्तगण युवाचार्यश्री के दर्शनार्थ व वंदनार्थ उपस्थित हुए। पूना के सुभाष ललवानी ने अपने विचार व्यक्त किए।

एससीआई में राजभाषा समापन समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय नौवहन निगम लिमिटेड(एससीआई) के क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा-2024 का समापन समारोह 4 अक्टूबर को बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया और हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को विशेष प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। समारोह की अध्यक्षता चेन्नई कार्यालय के क्षेत्रीय उप महा प्रबन्धक वी. अळगूवेल ने की। अपने संबोधन में उन्होंने हिन्दी के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि हिन्दी न केवल हमारी राजभाषा है, बल्कि यह देश को एक सूत्र में पिरोने वाली भाषा भी है। उन्होंने सभी कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे अपने दैनिक कार्यों में हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग करें।

समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को क्षेत्रीय उपमहा प्रबन्धक वी. अळगूवेल ने प्रमाणपत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर एससीआई के सभी कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हिन्दी के प्रचार-प्रसार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। संचालन उप महा प्रबन्धक (प्रशासन एवं कार्मिक, नौकार्मिक, ऱाजभाषा) एमपी सिंह ने किया। समारोह के अंत में सभी ने भविष्य में भी इसी तरह के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया।

अग्रवाल सभा द्वारा अग्रसेन जयंती का आयोजन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री अग्रवाल सभा चेन्नई के तत्वावधान में 6 अक्टूबर को श्री अग्रसेन जयंती का आयोजन बड़ी धूमधाम से वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय में किया जा रहा है। अग्रवाल महिला समिति की अध्यक्ष सुनीता खेमका ने बताया कि इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और विशेष प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है, जिनके पुरस्कार उसी दिन वितरित किए जाएंगे। साथ ही, प्रशंसा पुरस्कार, श्रेष्ठता पुरस्कार, और खेल पुरस्कार भी दिए जाएंगे।

अग्रवाल सभा के महासचिव बालगोविंद गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्री गंगा सभा हरिद्वार से तन्मय वशिष्ठजी मुख्य अतिथि के रूप में पधारेंगे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डीएवी ग्रुप के विकास आर्य होंगे।

अग्रवाल सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गोयल, उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता तथा जगदीश प्रसाद अग्रवाल, सचिव मनोज गोयल, कोषाध्यक्ष अमित तुलस्यान, अशोक केडिया , सीताराम गोयल, मंजु जालान, संतोष गोयल, योगी सर्राफ, अनिल अग्रवाल, आशीष गुप्ता व अन्य सहयोगी संस्थाओं द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए तैयारियां की जा रही है।

मुलैकड़े में भागवत कथा ज्ञान यज्ञ एवं नवरात्रि महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुलैकड़ै स्थित चंद्रप्रभु कॉलोनी के कुमावत समाज भवन में आठ दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन हो रहा है। कुमावत समाज अध्यक्ष घेवरराम पिलोदिया ने बताया कि शुक्रवार को सुबह 8:30 बजे कलश यात्रा निकाली गई एवं साथ में श्रीमद् भागवत कथा का बाधवाना लिया गया। कथा वाचक संत सोहनरामजी रामस्नेही रामद्वारा नीमाज वालों द्वारा प्रस्तुति दी। जिसमें बढ़ चढ़कर श्रद्धालुओं ने कथा को श्रवण किया एवं नवरात्रि महोत्सव के उपलक्ष में प्रतिदिन रात्रि 9 बजे से विशाल भजन संध्या भजन स्वर सोनू महाराज सिरियारी वाले द्वारा भजनों की गंगा बहा रहे हैं। समाज के अध्यक्ष घेवरराम पिलोदिया, उपाध्यक्ष धर्मीचंद अडाणिया, कालूराम गोठवाल, मदनलाल दुबलदिया(धनेरिया), सेवा मंडल अध्यक्ष पेमाराम मोचीवाल, उपाध्यक्ष माणकचंद नागौरा एवं अमरचंद पिलोदिया, रमेश घोड़ावड़, खेताराम बाकरेचा, हिरालाल लारना, जयप्रकाश पिपाड़ा खियाराम एवं अन्य मौजूद रहे।

प्राकृत को शास्त्रीय भाषा की मान्यता का स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार ने 3 अक्टूबर को प्राचीन भाषा प्राकृत को शास्त्रीय (क्लासिकल) भाषा का दर्जा प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गुरुवार को प्राकृत सहित पाँच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने को स्वीकृति दी है। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ के चेयरमैन अभय श्रीश्रीमाल जैन एवं प्राकृत मनीषी डॉ. दिलीप धींग ने सरकार के इस निर्णय का अभिनंदन किया है। उन्होंने अभुषा फाउंडेशन की ओर से सरकार को धन्यवाद पत्र लिखा है। श्रीश्रीमाल ने कहा कि जैन समाज में प्राकृत भाषा शिक्षण और प्राकृत साहित्य का स्वाध्याय नित्य होता है।

साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि प्राकृत एक ऐसी निराली भाषा है, जिससे भारतीय भाषाओं के आंतरिक संबंधों को समझना आसान हो जाता है। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में प्राकृत के अनेक शब्द, रूप और प्रवृत्तियां विद्यमान हैं। उन्होंने कहा कि देश में सर्वाधिक शिलालेख प्राकृत भाषा में लिखे मिलते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राकृत केवल जैन आगमों की ही भाषा नहीं, अपितु विशाल भारतवर्ष के प्राणों में स्पंदित होने वाली हजारों वर्ष पुरानी जनभाषा रही है।

जैन समाज और प्राकृत प्रेमी लंबे समय से प्राकृत को शास्त्रीय भाषा की मान्यता की मांग कर रहे थे। डॉ. धींग ने भी सरकार को इस आशय का पत्र लिखा था। बहुश्रुत जयमुनि की निश्रा में 2022 में रोहतक (हरियाणा) में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय प्राकृत संगोष्ठी में भी डॉ. धींग ने प्राकृत को शास्त्रीय भाषा की मान्यता का प्रस्ताव रखा था, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। प्राकृत में शास्त्रीय भाषा की सारी विशेषताएं पूरी तरह से विद्यमान हैं।

उल्लेखनीय है कि प्राकृत के अतिरिक्त यह स्वीकृति मराठी, पालि, असमिया और बांग्ला भाषाओं को मिली है। छह भारतीय भाषाएं यह दर्जा पहले ही पा चुकी थीं। सबसे पहले 2004 में तमिल और उसके बाद 2005 में संस्कृत को यह दर्जा मिला था। तत्पश्चात तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और उड़िया को शास्त्रीय भाषाओं की श्रेणी में लिया गया। अब कुल ग्यारह भारतीय भाषाएँ शास्त्रीय भाषा की श्रेणी में आ गई है।

इलेक्ट्रिकल्स मार्केट में 35वां नवरात्रि महोत्सव का आरंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्री दुर्गा माता पूजा कमेटी कृष्णा ईयर स्ट्रीट इलेक्ट्रिकल्स मार्केट द्वारा 35वां नवरात्रि वार्षिक महोत्सव की शुरुआत मूर्ति स्थापना के साथ दस दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत हुई। भक्तों ने धूमधाम से मां दुर्गा मां की प्रतिमा की स्थापना की और पूजा आरती में भाग लिया। अशोक तोदी ने बताया कि इस वर्ष 35वां आयोजन है। हंसराज पुरोहित कैलाश नगर ने बताया की कार्यक्रम 10 दिवसीय सुबह शाम पूजा आरती होगी एवं स्थानीय भजन मंडली एवं महिला मंडल द्वारा भजनों का कार्यक्रम होगा। अष्टमी के दिन सुबह हवन एवं अन्नदान का आयोजन किया गया है। 12 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे शोभायात्रा के साथ विसर्जन यात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम को लेकर सुनील परमार, रेवा शंकर रावल, अरुण तोड़ी, मोडाराम माली एवं मार्केट के सभी भक्त पूरा सहयोग कर रहे हैं। लाभार्थियों का कमेटी द्वारा सम्मानित किया गया।

अमेठी हत्याकांड, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

अमेठी (उप्र)/भाषा। अमेठी जिले में शिक्षक, उनकी पत्नी और दो नाबालिग बच्चों की गोली मारकर हत्या करने के एक दिन बाद शुक्रवार को पुलिस ने नोएडा से मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेठी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनूप कुमार सिंह ने जिला मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा, हमारी टीम ने मुख्य आरोपी चंदन वर्मा को नोएडा में एक टोल प्लाजा के पास से गिरफ्तार किया। वह दिल्ली जा रहा था।

महावीर की वाणी से अज्ञानता से मुक्ति : साध्वी विनयश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन, सम्यक चारित्र और सम्यक तप से साधना करके मोक्ष की प्राप्ति संभव है। शुक्रवार को साहूकार पेट के जैन भवन में अपने ओजस्वी प्रवचन में साध्वीश्री विनयश्रीजी म.सा. ने कहा कि जैसे कोई मेहमान आने पर शरीर और घर की सफाई की जाती है उसी तरह गुरु और परमात्मा की वाणी से आत्मा की स्वच्छता रखनी चाहिए। साध्वीश्री ने कहा कि जैसे लोहे पर कचरा होने से पारस पत्थर निरर्थक हो जाता है उसी तरह आत्मा में पाप रूपी मैल होने से आत्मा अपना विकास नही कर पाती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को कभी भी यह नही सोचना चाहिए कि उसके पास कुछ नही है बल्कि अपने सामर्थ्य और पुरूषार्थ पर पूरा भरोसा होना चाहिए। मनुष्य चाहे तो कुछ भी असंभव नहीं है। संचालन महासचिव संजय पींचा ने करते हुए दीक्षार्थी दीपिका की दीक्षा कार्यक्रम की जानकारी दी।

सैनिक थॉमस चेरियन को मौत के 56 साल बाद सैन्य सम्मान के साथ दफनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्तनमथिट्टा (केरल)। भारतीय सेना के जवान थॉमस चेरियन की एक हवाई दुर्घटना में मौत के 56 साल के बाद पूरे सैन्य सम्मान के साथ शुक्रवार दोपहर जिले के एक गिरिजाघर के प्रांगण में विशेष तौर पर तैयार कब्र में दफनाया गया। इससे पहले दिन में सैन्य कर्मी पूरे सम्मान के साथ अवशेष लेकर उनके पैतृक आवास एनलतूर गांव पहुंचे। शव पहुंचने के बाद पादरी ने धार्मिक अनुष्ठान किया और पुलिस ने सलामी दी। इसके बाद अवशेष को करूर स्थित सेंट पीटर ऑर्थोडॉक्स चर्च ले जाया गया। थॉमस को मौत के 56 साल बाद अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए एलनतूर और आसपास के सैकड़ों लोग जमा हुए।

केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीणा जॉर्ज, पत्तनमतिट्टा के सांसद एंटो एंटनी, विभिन्न दलों के नेता, सेना एवं प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी इस मौके पर मौजूद रहे। सेना अंतिम विदाई के लिए ले जाने से पहले अवशेष को पूर्ण सैन्य सम्मान दिया। सेना ने बताया कि भारतीय वायुसेना के एक एएन-12 विमान के हिमाचल प्रदेश के रोहताग दर्रा के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त होने के 56 साल से भी अधिक समय बाद, चेरियन सहित चार अवशेष बरामद किये थे।

थॉमस चेरियन का अवशेष बृहस्पतिवार को तिरुवनंतपुरम स्थित वायुसेना स्टेशन षणमुघम में पूरे सैन्य सम्मान के साथ प्राप्त किया गया और पैंगोडे सैन्य ठिकाने पर रखा गया।

ताबूत शुक्रवार की सुबह उनके पैतृक गांव ले जाया गया। दो इंजन वाला परिवहन विमान सात फरवरी 1968 को चंडीगढ़ से लेह के लिए उड़ान भरने के बाद, लापता हो गया था। उसमें 102 लोग सवार थे और सभी लापता हो गये थे। दशकों तक विमान का मलबा और शवों के अवशेष बर्फीले क्षेत्र में दबे पड़े रहे।

लाइसेंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में शुक्रवार को बीआईएस ने तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं के लिए आईएस/आईएसओ 9001:2015 क्यूएमएस प्रमाणन के प्रावधान के लिए 2 अग्निशमन स्टेशनों के लिए भारत में पहला लाइसेंस प्रदान किया है। भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी, आईएएस ने तमिलनाडु अग्निशमन एवं बचाव सेवाओं के निदेशक/डीजीपी आभाष कुमार, आईपीएस को लाइसेंस प्रदान किया। डीजी बीआईएस ने अशोक नगर और किलपौक फायर स्टेशनों पर गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (आईएस/आईएसओ 9001) लागू करके एक मजबूत गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय मिशन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के लिए तमिलनाडु फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज (टीएनएफआरएस) के अधिकारियों की सराहना की।

श्रीलंका ने 50 भारतीय मछुआरों को रिहा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो। श्रीलंका के जलक्षेत्र में मछली पकड़ने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए 50 भारतीय मछुआरों को शुक्रवार को रिहा कर दिया। यह जानकारी यहां स्थित भारतीय मिशन ने दी। दोनों देशों के मछुआरे अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में प्रवेश करने के कारण अक्सर गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने रिहा किए गए मछुआरों की कुछ तस्वीरों के साथ 'एक्स' पर लिखा, घर लौट रहे, मयिलादुथुराई, पुदुकोट्टई और नागपट्टनम के 50 भारतीय मछुआरों को आज रिहा कर दिया गया है और उन्हें इस सप्ताह के अंत में श्रीलंका से तमिलनाडु वापस भेज दिया जाएगा। मछुआरों की यह रिहाई ऐसे समय में हुयी है जब विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत-श्रीलंका संबंधों को और मजबूत करने के लिए पड़ोसी देश की यात्रा पर हैं। पिछले महीने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा गिरफ्तार किए गए सात भारतीय मछुआरों को भारत वापस भेजा गया था। अगस्त में 30 मछुआरों को भारत वापस भेजा गया था।

'एअर इंडिया एक्सप्रेस' का विमान धुएं की चेतावनी के बाद तिरुवनंतपुरम लौटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। 'एअर इंडिया एक्सप्रेस' का एक विमान शुक्रवार सुबह उड़ान भरने के दौरान संदिग्ध रूप से धुआं दिखाई देने के बाद तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर वापस लौट आया। विमानन कंपनी और हवाई अड्डा सूत्रों ने यह जानकारी दी।

हवाई अड्डे के एक सूत्र ने बताया कि मस्कट जाने वाले विमान में धुएं की चेतावनी अपराह्न करीब साढ़े 10 बजे मिली। सूत्र ने बताया कि विमान में 142 यात्री सवार थे और जांच के लिए यात्रियों को विमान से उतार दिया गया।

'एअर इंडिया एक्सप्रेस' के प्रवक्ता ने बताया कि यात्रियों के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाने के लिए जांच की जाएगी कि धुआं उठने का क्या कारण है। उन्होंने एक बयान में कहा, हम विमान परिचालन के हर पहलू में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हैं और असुविधा के लिए खेद व्यक्त करते हैं।

लॉरी मालिक, अन्य के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। केरल पुलिस ने कर्नाटक के शिरूर में भूस्खलन की घटना में मारे गए लॉरी चालक अर्जुन की बहन की शिकायत पर लॉरी मालिक मनाफ और अन्य के खिलाफ मानहानि और साइबर हमले के अपराध में मामला दर्ज किया है। शिकायत में अंजू ने आरोप लगाया कि मनाफ ने अर्जुन के परिवार की भावनात्मक स्थिति का फायदा उठाते हुए गलत प्रचार किया और उनके मृतक भाई की तस्वीर का इस्तेमाल करके एक यूट्यूब चैनल शुरू किया, जिससे परिवार की बदनामी हुई।

यह मामला चेवयूर पुलिस ने दर्ज किया है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर परिवार के खिलाफ अपमानजक प्रचार करने वालों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि परिवार द्वारा इन मामलों का मीडिया में खुलासा करने के बाद मनाफ ने इसका इस्तेमाल अंजू और उसके परिवार के खिलाफ साइबर हमला करने के लिए किया, ताकि ऐसे हालात पैदा हों जिससे सांप्रदायिक नफरत फैले। मनाफ के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 (दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना) और केरल पुलिस अधिनियम की धारा 120 (ओ) (उपद्रव करने और जन व्यवस्था का उल्लंघन करना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अर्जुन के परिवार ने मनाफ पर अपने निजी लाभ के लिए उनकी भावनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था, जिसका उसने खंडन किया।

अर्जुन के परिवार ने बुधवार को यहां अपने आवास पर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मनाफ शुरुआत में उनके साथ था लेकिन अब अपने निजी लाभ के लिए उनकी भावनाओं का इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके जरिए उसने विभिन्न स्रोतों से धन भी इकट्ठा किया। उन्होंने यह भी दावा किया था कि वह उन्हें बेसहारा बता रहा था, जो दुखद था क्योंकि परिवार के कई सदस्य नौकरी करते हैं।

आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए मनाफ ने कहा कि वह कोई विवाद पैदा नहीं करना चाहते और वह ऐसे व्यक्ति हैं जो चीजों को भावनात्मक दृष्टि से देखते हैं। मनाफ ने कहा कि अगर कुछ गलत हुआ है तो वह अर्जुन के परिवार से माफी मांगते हैं। कर्नाटक के शिरूर गांव के पास 25 सितंबर को गंगावली नदी से लॉरी और अर्जुन के शव के अवशेष बरामद होने के बाद मनाफ ने कहा कि अर्जुन को तलाशने का उनका प्रयास सफल रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर 16 जुलाई को हुए भूस्खलन में अर्जुन समेत नौ लोगों की जान चली गई थी। अर्जुन का शव नदी से बरामद होने तक मनाफ दो माह से अधिक समय तक कर्नाटक में रहा।

वायु सेना के चिकित्सा प्रशिक्षण केंद्र में चिकित्सा सहायकों की हुई पासिंग आउट परेड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शुक्रवार को मेडिकल ट्रेनिंग सेंटर (एमटीसी) एयर फोर्स में आयोजित एक शानदार पासिंग आउट परेड (पीओपी) में 110 से अधिक मेडिकल असिस्टेंट ने सफलतापूर्वक प्रशिक्षण का अपना ट्रेड चरण पूरा किया। परेड की समीक्षा एयर वाइस मार्शल रेणुका कुंटे, प्रिंसिपल मेडिकल ऑफिसर, मुख्यालय प्रशिक्षण कमान, भारतीय वायु सेना ने की और बेंगलूरु क्षेत्र की विभिन्न वायु सेना और सेना इकाइयों के गणमान्य लोगों ने इसका अवलोकन किया।

समीक्षा अधिकारी ने सभी उत्तीर्ण प्रशिक्षुओं को बधाई दी और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले होनहारों को सम्मानित किया। लीडिंग एयरक्राफ्टमैन अंकित डूडी को इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन ट्रॉफी के लिए सीनियर एयर स्टाफ ऑफिसर एचक्यूटीसी रोलिंग ट्रॉफी मिली, लीडिंग एयर क्राफ्ट्समैन अरुण कुमार एम ने बेस्ट ऑल राउंडर ट्रॉफी जीती, जबकि लीडिंग एयरक्राफ्टमैन गिरिकरन आर ने बेस्ट इन ट्रेड ट्रॉफी और एयर क्राफ्ट्समैन जिष्णु के ने बेस्ट इन ग्राउंड सर्विस ट्रेनिंग ट्रॉफी प्राप्त की।

पासिंग आउट परेड को संबोधित करते हुए, समीक्षा अधिकारी ने उन्हें अपने पेशे और भविष्य के सभी प्रयासों में उत्कृष्टता के लिए सेवा करने के लिए प्रेरित किया। एयर मार्शल ने मेडिकल ट्रेनिंग सेंटर एयर फोर्स में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षण से जुड़े सभी लोगों और अनुदेशात्मक कर्मचारियों द्वारा किए गए जबरदस्त प्रयासों की सराहना की।

डीवाईएफआई कार्यकर्ता की हत्या मामले में आईयूएमएल के आठ कार्यकर्ता दोषी करार

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया' (डीवाईएफआई) के एक कार्यकर्ता की 2015 में कोझिकोड में हुई हत्या के मामले में 'इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग' (आईयूएमएल) के आठ कार्यकर्ताओं को बरी करने की निचली अदालत के फैसले को शुक्रवार को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने पीड़ित डीवाईएफआई कार्यकर्ता सी. के. शिबिन के पिता और सरकार द्वारा दाखिल अपील पर सुनवाई के बाद कोझिकोड के अतिरिक्त सत्र न्यायालय के फैसले को रद्द कर दिया। उच्च न्यायालय ने आईयूएमएल के आठ कार्यकर्ताओं को दोषी ठहराते हुए पुलिस को निर्देश दिया कि वह सभी को गिरफ्तार कर सजा पर सुनवाई के वास्ते 15 अक्टूबर को उसके समक्ष पेश करे। अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने कोझिकोड के नादापुरम के निवासी शिबिन की हत्या के सभी 1% आरोपियों को 2016 में बरी कर दिया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार 19 वर्षीय शिबिन की 22 जनवरी, 2015 को तुनेरी के पास वेल्लूर में एक सशस्त्र गिरोह ने हत्या कर दी थी, जिनका कथित तौर पर आईयूएमएल से संबद्ध था।

दपरे के वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी बने अन्नादुरै

बेंगलूरु/हुब्बल्ली। अन्नादुरई ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी का कार्यभार संभाला। ए. अन्नादुरई, आईआरएसएस ने 3 अक्टूबर से दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी का कार्यभार संभाला है। वे 1990 बैच के भारतीय रेलवे भंडार सेवा (आईआरएसएस) के अधिकारी हैं। ए. अन्नादुरई भारत सरकार के अधीन भारतीय रेलवे भंडार सेवा के अधिकारी हैं।

'मुडा घोटाले' से ध्यान भटकाने के लिए सावरकर को निशाना बना रही कांग्रेस : विजयेंद्र येडीयुरप्पा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के प्रमुख विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शुक्रवार को कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण 'मुडा घोटाले' से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर को निशाना बना रही है। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने बुधवार को दावा किया कि सावरकर मांस खाते थे और वह गौवध के खिलाफ नहीं थे।

विजयेंद्र ने ऑनलाइन पोस्ट में कहा, ''यह हमारे राष्ट्रीय नायकों के साथ विश्वासघात है! सत्ता के लालच में कांग्रेस सरकार ने शर्मनाक तरीके से वीर सावरकर को निशाना बनाया है जो एक देशभक्त थे और भारत की आजादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। यह सिर्फ इसलिए किया जा रहा है ताकि एमयूडीए घोटाले में अपने भ्रष्टाचार से लोगों का ध्यान भटकाया जा सके। जनता को गुमराह करने की यह चाल काम नहीं आएगी।''

उन्होंने कहा कि भाजपा तब तक लड़ेगी जब तक कांग्रेस के भ्रष्ट नेताओं को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता। विजयेंद्र ने कहा, 'यह सिर्फ सावरकर पर हमला नहीं है, बल्कि हर उस भारतीय का अपमान है जो हमारे देश के लिए किए गए बलिदानों को महत्व देता है। जैसा कि वीर सावरकर ने खुद कहा था, आजादी कभी दी नहीं जाती, इसे छीनना पड़ता है।' कोई भी झूठ या ध्यान भटकाने वाली बात सच्चाई को ढक नहीं पाएगी और हम तब तक लड़ेंगे जब तक आपके (कांग्रेस) भ्रष्ट नेताओं को जवाबदेह नहीं ठहराया जाता। यहां एक कार्यक्रम में राव ने कहा था, सावरकर एक चितपावन ब्राह्मण थे और वह मांस खाते थे। वह मांसाहारी थे तथा गौवध के खिलाफ नहीं थे।

एटीएम लूट मामले के आरोपियों को केरल के त्रिशूर की अदालत में पेश किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

त्रिशूर। केरल के त्रिशूर में एटीएम लूट के मामले के आरोपियों को शुक्रवार को जिला अस्पताल में मेडिकल जांच के बाद मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

केरल पुलिस की जांच टीम ने तमिलनाडु पुलिस से आरोपियों को हिरासत में लिया और उन्हें त्रिशूर ले कर आई तथा उनकी गिरफ्तारी दर्ज की। सात आरोपियों में से पांच को केरल लाया गया है, क्योंकि एक आरोपी नमक्कल में तमिलनाडु पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था तथा एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया था। गोली लगने के कारण घायल व्यक्ति का पैर काटना पड़ा। सूत्रों ने बताया कि पुलिस टीम आरोपियों को हिरासत में लेगी और शनिवार को साक्ष्य जुटाने के लिए उन्हें अपने साथ ले जाएगी।

पुलिस ने बताया कि एटीएम लूटने वाला गिरोह हरियाणा का रहने वाला है और कई अन्य मामलों में भी शामिल रहा है।

आरोपियों ने 27 सितंबर को त्रिशूर शहर में कई एटीएम लूटने के लिए एक एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) का इस्तेमाल किया था और फिर कार को लोड करने और भागने के लिए एक कंटेनर ट्रक का इस्तेमाल किया था। तमिलनाडु पुलिस ने नमक्कल में गिरोह के सदस्यों को पकड़ा था।

बेंगलूरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों में बम रखे होने की सूचना झूठी निकली

बेंगलूरु। बेंगलूरु में तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को प्राप्त हुए ईमेल में उनके परिसरों में बम रखे होने की सूचना दी गई, जो बाद में झूठी साबित हुई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बासवनगुडी स्थित बेंगलूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग तथा सदाशिवनगर स्थित एम एस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को अपराह्न करीब एक बजे ईमेल के जरिये बम की धमकी मिली। कॉलेज प्रबंधनों ने पुलिस को सूचना दी, जो बम निरोधक व श्वान दस्ते के साथ मौके पर पहुंची। गहन जांच के बाद, पुलिस इस निष्कर्ष पर पहुंची कि यह झूठी सूचना थी।

दशहरा एक जाति, एक धर्म तक सीमित उत्सव नहीं है, यह सभी जातियों के लिए उत्सव का त्योहार है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंधनूर। हमने कल्याण कर्नाटक में 109000 रिक्तियों में से 79000 पद भरे हैं। बाकी भी भर जाएंगे। पहली बार शुरू हुए भव्य सिंधनूर दशहरा उत्सव का उद्घाटन करते हुए उन्होंने 1695.85 करोड़ की लागत से रायचूर कलमला जंक्शन से सिंधनूर के पास बेल्लारी-लिंगसागुर रोड तक 78.45 किलोमीटर लंबी सड़क के काम का उद्घाटन करते हुए मुख्य मंच से ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि दशहरा किसी एक जाति, एक धर्म तक सीमित उत्सव नहीं है, यह सभी जातियों के लिए उत्सव का त्योहार है। अम्बा देवी भी चामुंडेश्वरी का ही अवतार हैं। उन्होंने कहा कि यह सांस्कृतिक महानता और इतिहास का त्योहार है। मां अंबादेवी और मां चामुंडी की कृपा से राज्य में बारिश और फसलें अच्छी होती हैं। जलाशय और झील के तटबंध भरे हुए हैं। उन्होंने कहा, इसलिए मुझे विश्वास है कि हम इस बार समृद्धि देखेंगे। कर्नाटक के सभी जाति और धर्म के लोगों ने 371 जे कल्याण के कार्यान्वयन के लिए एक साथ लड़ाई लड़ी। मल्लिकार्जुन खरगे इस जनसंघर्ष के पीछे खड़े रहे और बताया कि 371ग लागू हुआ। 371जे के कार्यान्वयन की 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर, हमने कलबुर्गी में एक विशेष कैबिनेट बैठक की और उसी दिन 11,770 करोड़ की परियोजनाओं को मंजूरी दी।

उन्होंने कहा कि मैंने कल्याण कर्नाटक के विकास के लिए पिछले साल 3000 करोड़ और इस साल बजट में 5000 करोड़ रुपये की घोषणा की है। क्योंकि क्षेत्रीय असमानता की भरपाई हो जाती है हमने कल्याण कर्नाटक में 109000 रिक्तियों में से 79000 पद भरे हैं। इसी मौके पर बाकी को भी भरने की घोषणा करने वाले मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि यह सब 371 जे से संभव हुआ है। इसे लागू करने में मदद करने वाली सोनिया गांधी और राहुल गांधी को हम सभी को याद रखना चाहिए।

इस मौके पर सिंधनूर विधायक हंपनागौड़ा बदेरली की अध्यक्षता में आयोजित मंच में जिला प्रभारी मंत्री शरणप्रकाश पाटिल, कानून मंत्री एचके पाटिल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री बोसराजू, विधायक, सांसद, विधान परिषद सदस्य और नेता सहित कोप्पल और रायचूर जिले के विधायक उपस्थित थे।

कैबिनेट बैठक में चर्चा के बाद जाति जनगणना रिपोर्ट लागू करने पर फैसला : मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

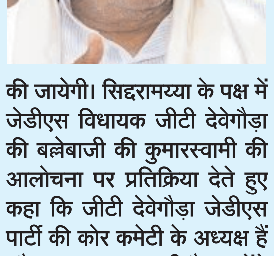

कोप्पल। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा कि जाति जनगणना रिपोर्ट मिलने के बाद विभागीय मंत्रियों और कैबिनेट बैठक में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद इसके कार्यान्वयन के संबंध में उचित निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने आज गिनिगेरा एयर स्ट्रिप कोप्पल में मीडिया से बात की।

जातीय जनगणना लागू करने को लेकर विधायक बसवराज रायरेड्डी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए रायरेड्डी ने अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे अगले सप्ताह पिछड़ा वर्ग मंत्री से चर्चा करेंगे। आंतरिक आरक्षण लागू करने को लेकर पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आंतरिक आरक्षण लागू करने को लेकर आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कैबिनेट और पार्टी नेताओं से चर्चा की जायेगी। सिद्दरामय्या के पक्ष में जेडीएस विधायक जीटी देवेगौड़ा की बल्लेबाजी की कुमारस्वामी की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जीटी देवेगौड़ा जेडीएस पार्टी की कोर कमेटी के अध्यक्ष हैं और उनका बयान सही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी और जेडीएस को डर है कि अगर मैं सत्ता में रहा तो उनकी पार्टियां कमजोर हो जाएंगी। मंत्री सतीश जराकीहोली की पार्टी नेताओं से मुलाकात पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी में मंत्री रहे सतीश जराकीहोली का एआईसीसी अध्यक्ष खरगे से मिलना गलत नहीं है। अटकलों की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

वर्तमान में शांति और एकता की महत्ता और अधिक बढ़ गई है : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया के अनेक हिस्सों में व्याप्त अशांति को देखते हुए आज शांति व एकता की महत्ता और अधिक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को ये समझना चाहिए कि वह इस धरती का स्वामी नहीं बल्कि पृथ्वी के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है। राष्ट्रपति मुर्मू आबू रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रही थीं। सम्मेलन का विषय 'स्वच्छ व स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिकता' है। उन्होंने कहा कि आज विश्व के अनेक हिस्सों में अशांति का वातावरण व्याप्त है तथा मानवीय मूल्यों का क्षरण हो रहा है। मुर्मू ने कहा कि ऐसे समय में शांति व एकता की महत्ता और अधिक बढ़ रही है।

उन्होंने कहा, शांति केवल बाहरी नहीं बल्कि हमारे मन की गहराई में स्थित होती है। जब हम शांत होते हैं तभी हम दूसरों के प्रति सहानुभूति व प्रेम का भाव रख सकते हैं। इसलिए मन, वचन, कर्म सबको स्वच्छ रखना होता है। राष्ट्रपति ने कहा, आज जब हम वैश्विक तापवृद्धि और पर्यावरण प्रदूषण के विपरीत प्रभावों से जूझ रहे हैं तब इन चुनौतियों का सामना करने के लिए सभी संभव प्रयास करने चाहिए। मनुष्य को यह समझना चाहिए कि वह इस धरती का स्वामी नहीं है बल्कि पृथ्वी के संरक्षण के लिए जिम्मेदार है। उसे अपने विवेक से इस ग्रह की रक्षा करनी है। मुर्मू ने कहा कि मनुष्य अपने कर्मों को त्याग कर नहीं बल्कि उन्हें सुधारकर ही बेहतर इंसान बन सकता है। उन्होंने कहा,आध्यात्मिकता का मतलब धार्मिक होना या सांसारिक कार्यों का त्याग कर देना नहीं है। आध्यात्मिकता का अर्थ है अपने भीतर की शक्ति को पहचान कर अपने आचरण और विचारों में शुद्धता लाना। मनुष्य अपने कर्मों का त्याग करके नहीं बल्कि अपने कर्मों को सुधारकर बेहतर इंसान बन सकता है।

उन्होंने कहा, विचारों और कर्मों में शुद्धता जीवन के हर क्षेत्र में संतुलन व शांति लाने का मार्ग है। यह एक स्वच्छ व स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए भी आवश्यक है। ये माना जाता है कि स्वच्छ शरीर में ही पवित्र अंत:करण का वास होता है। मुर्मू ने कहा कि सभी परंपराओं में स्वच्छता को महत्व दिया जाता है। कोई भी पवित्र क्रिया करने से पहले स्वयं व अपने परिवेश की साफ-सफाई का ध्यान रखा जाता है लेकिन स्वच्छता केवल बाहरी वातावरण में नहीं बल्कि हमारे विचारों व कर्मों में भी होना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा, अगर हम मानसिक व आत्मिक रूप से स्वच्छ नहीं हैं तो बाहरी स्वच्छता निष्फल रहेगी। आध्यात्मिक मूल्यों का तिरस्कार करके केवल भौतिक प्रगति का मार्ग अपनाना अंतत: विनाशकारी ही सिद्ध होता है। स्वच्छ मानसिकता के आधार पर ही समग्र स्वास्थ्य संभव होता है। उन्होंने कहा कि अच्छे स्वास्थ्य के कई आयाम होते हैं जैसे शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक व सामाजिक स्वास्थ्य। ये सभी आयाम परस्पर जुड़े हुए हैं और हमारे जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं।राष्ट्रपति ने कहा,भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य सही सोच पर निर्भर करता है, क्योंकि हमारे विचार ही शब्दों और व्यवहार का रूप लेते हैं। दूसरों के प्रति कोई राय बनाने से पहले हमें अपने अन्तर्मन में झांकना चाहिए। जब हम किसी दूसरे की परिस्थिति में अपने आप को रख कर देखेंगे तब सही राय बना पाएंगे। मुर्मू ने भारत सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत सरकार देशवासियों के स्वच्छ और स्वस्थ जीवन के लिए अनेक प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत हर घर में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का संकल्प लिया गया है और 78 प्रतिशत से अधिक ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। यह बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि स्वच्छ जल न केवल शरीर की स्वच्छता बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है।

शिक्षा ही विकास की कुंजी : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि शिक्षा ही विकास की कुंजी है। मुर्मू, ऐतिहासिक मानगढ़ धाम बांसवाड़ा में 'आदि गौरव सम्मान समारोह' को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं सभी भाई-बहनों से अनुरोध करना चाहती हूं कि वे अपने बच्चों को स्कूल भेजें, शिक्षा दिलाएं क्योंकि शिक्षा ही विकास की कुंजी है। शिक्षित होने से ये बच्चे आगे बढ़ेंगे, समाज आगे बढ़ेगा, देश आगे बढ़ेगा।

उन्होंने अपनी शिक्षा के दिनों को याद करते हुए कहा, अपने गांव में पढ़ाई करने के बाद मैंने भुवनेश्वर जाकर आगे की पढ़ाई की थी। अगर छात्रावास की सुविधा नहीं मिली होती तो शायद मेरी आगे की पढ़ाई मुश्किल से हुई होती या उसमें रुकावट भी आ सकती थी। राष्ट्रपति ने कहा, आज मैं आपके सामने खड़ी हूं तो केवल शिक्षा के बल पर। इसलिए मैं सबसे आग्रह करना चाहती हूं कि बच्चों को शिक्षा दिलाइए। उन्हें स्कूल व कॉलेज भेजिए क्योंकि सरकार जनजातियों के साथ खड़ी है। कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने इससे पहले मानगढ़ धाम में गोविंद गुरु की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की और मानगढ़ धूनी दर्शन कर शहीदों को नमन किया।

फोन टैपिंग मामला

गहलोत के पूर्व ओएसडी ने दिल्ली अपराध शाखा को पेन ड्राइव, लैपटॉप और फोन सौंपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पूर्व विशेषाधिकारी (ओएसडी) लोकेश शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा को अपने इस दावे के समर्थन में सबूत सौंप दिये हैं कि गहलोत ने उन्हें 2020 के राजनीतिक संकट के दौरान मीडिया में प्रसारित करने के लिए केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की कॉल रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराई थी। शर्मा आज नयी दिल्ली में अपराध शाखा के कार्यालय पहुंचे और जांच के लिए एक पेन ड्राइव, लैपटॉप व फोन सौंपा।

शेखावत की शिकायत पर दर्ज फोन टैपिंग मामले के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने पिछले सप्ताह बुधवार को शर्मा से पूछताछ की थी। शर्मा ने सात पन्नों का लिखित बयान पेश किया था, जिसमें 16 जुलाई, 2020 का घटनाक्रम बताया गया है, जब उन्हें मीडिया में प्रसारित करने के लिए कथित तौर पर तत्कालीन मुख्यमंत्री की तरफ से कॉल रिकॉर्डिंग वाली एक पेनड्राइव मिली थी। उन्होंने कहा, मैंने अपने बयान के समर्थन में सभी सबूत मुहैया करा दिए हैं। अब गहलोत को पूछताछ के लिए बुलाया जाना चाहिए।

शर्मा ने इस साल अप्रैल में सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि 2020 में राजस्थान में तत्कालीन कांग्रेस सरकार को गिराने के लिए शेखावत और कांग्रेस के नेताओं के बीच टेलीफोन पर हुई कथित बातचीत की एक ऑडियो क्लिप उन्हें खुद पूर्व मुख्यमंत्री ने दी थी।

स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की राहों का निर्माण अध्यात्म में निहित : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शुक्रवार को कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की राहों का निर्माण अध्यात्म में निहित है। वह आबू रोड स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय शांतिवन में चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। 'स्वच्छ व स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिकता' विषयक इस सम्मेलन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया। बागड़े ने कहा कि अध्यात्म भारत की वह सुदृढ़ परंपरा है जिसके जरिए जीवन की उत्कर्ष राहों का निर्माण किया जाता रहा है। उन्होंने कहा की अध्यात्म जीवन की नैतिकता है तथा स्वच्छ और स्वस्थ जीवन की राहों का निर्माण अध्यात्म में निहित शक्ति ही है।

राजभवन के बयान के अनुसार बागड़े ने भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा करते हुए अध्यात्म से जुड़े मानवीय मूल्यों की भी विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि अध्यात्म भारतीय जीवन का अंग है क्योंकि हमारी संस्कृति में व्यक्ति की बजाय मनुष्य बनने पर जोर दिया गया है। राज्यपाल ने इससे पहले ब्रह्मकुमारीज संस्था के जैविक खेती उद्यान राजऋषि आदर्श वाटिका का अवलोकन किया। उन्होंने वहां रसायन रहित खेती, फल, सब्जी आदि के उत्पादन की सराहना की। इससे पहले उन्होंने वहां वृक्षारोपण भी किया।

राज्य सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कर रही है काम : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने लघु उद्योग भारती महिला संगठन, जयपुर की ओर से 4 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक आयोजित होने वाली स्वयंसिद्धा हस्तशिल्प प्रदर्शनी-2024 का शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र के शिल्पग्राम में फीता काटकर शुभारम्भ किया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने इस अवसर पर कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में हमारी डबल इंजन की सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने, मजबूत बनाने, आर्थिक रूप से संबल प्रदान करने और आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। लघु उद्योग भारती इस प्रदर्शनी के माध्यम से महिला हस्तशिल्पियों को मंच प्रदान कर सम्बल प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में पर्यटन की दृष्टि से नवाचार करते हुए होम स्टे आदि को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है।

उपमुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी में विभिन्न वर्गों की महिलाओं द्वारा तैयार दैनिक घरेलु उपयोग के सामान, सजावट के सामान तथा अन्य कलात्मक उत्पादों का विभिन्न स्टॉल्स पर अवलोकन कर सराहा और इन कुटीर उद्योग एवं महिला उद्योग शिल्पकारों का उत्साहवर्धन किया। लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा ने महिला शक्ति को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ये हस्तशिल्प के उत्पादन जितने कलात्मक हैं, उतने ही भावनात्मक भी है। उन्होंने सभी को इन उत्पादन को खरीदकर इनका प्रोत्साहन करने का आह्वान किया।

लघु उद्योग भारती महिला संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू सिंह ने बताया कि स्वयंसिद्धा हस्तशिल्प प्रदर्शनी में 6 राज्यों के प्रसिद्ध शिल्पकारों, कुटीर उद्योग एवं महिला उद्योगों के उत्पादनों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में जयपुर की केंद्रीय महिला इकाई की ओर से 85 स्टॉल लगाई गई हैं। प्रदर्शनी के शुभारम्भ के अवसर पर लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा, राष्ट्रीय महासचिव ओम प्रकाश गुप्ता, संगठन सचिव नरेश पारीक, एमएसएमई के संयुक्त निदेशक गौरव जोशी, महिला संगठन की प्रदेश उपाध्यक्ष अंजू सिंह, प्रांत महामंत्री सुनीता शर्मा , महिला इकाई अध्यक्ष प्रतिमा नैथानी, ईपीसीएच के पूर्व अध्यक्ष लेखराज माहेश्वरी, लघु उद्योग भारती के पदाधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

भागवत ने रियासतकालीन मंदिर प्यारेरामजी में किए देव दर्शन

बारां/दक्षिण भारत। राजस्थान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने बारां प्रवास के दौरान शुक्रवार को रियासत कालीन मंदिर प्यारेरामजी में देव दर्शन किये। बारां प्रवास के दूसरे दिन प्रातः बारां में मांगरोल रोड स्थित प्राचीन प्यारेरामजी मंदिर के देवदर्शन के पश्चात भागवत ने इस ऐतिहासिक मंदिर के इतिहास के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। परिसर में नित्य लगने वाली शिव मंदिर तरुण व्यवसायी शाखा में स्वयंसेवकों के साथ एक घंटे के तय कार्यक्रमों में भाग लिया। शाखा के सभी स्वयंसेवकों ने शारीरिक कार्यक्रम यथा व्यायाम योग, प्रहार, सूर्य नमस्कार, खेल के पश्चात बौद्धिक कार्यक्रमों में सांघिक सुभाषित, अमृतवचन और गीत का गायन किया ।

इस अवसर पर शाखा के स्वयंसेवकों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये डॉ. भागवत ने बताया कि भारत पहले से ही एक हिंदू राष्ट्र है। उसको और उन्नत और सामर्थ्यवान, बलशाली बनाना है। उन्होंने शाखा से समाज को जोड़ने के विषय में कहा कि अपरिचित से परिचय बढ़ाना, परिचित को मित्र बनाना, मित्र को स्वयंसेवक बनाना चाहिये। नित्य शाखा से ही समाज के लिये योग्य स्वयंसेवक निर्मित होंगे। शाखा के पश्चात मंदिर परिसर के बाहर स्वयंसेवकों के साथ मिलकर उन्होंने पौधारोपण भी किया। आंवला, बिल्वपत्र और पीपल आदि विभिन्न प्रजाति के 51 पौधे लगाये गये । शाखा के स्वयंसेवकों ने पौधों की सार संभाल का संकल्प भी लिया।

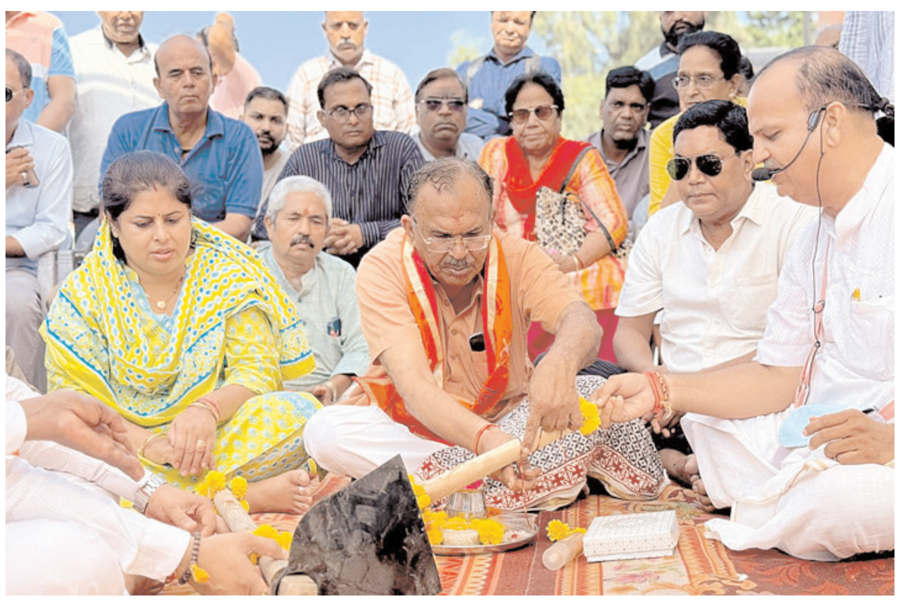

विधानसभा अध्यक्ष ने किया ई-क्रूज का शुभारंभ

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को अजमेर जिले की आना सागर झील में संचालित होने वाले देश के पहले ई-क्रूज का शुभारम्भ किया। देवनानी ने कहा कि देश के पहले प्रदूषण रहित ई-क्रूज के संचालन से अजमेर के पर्यटन को नई गति मिलेगी। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत, अजमेर नगर निगम महापौर श्रीमती ब्रजलता हाड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिकगण मौजूद थे।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि दीपावली से पूर्व अजमेर शहर की अधिकांश सड़कों को सुधार लिया जाएगा। बारिश के कारण आगरा गेट से अग्रसेन सर्किल एवं बजरंग गढ़ से अग्रसेन सर्किल की सड़कों को काफी नुकसान पहुंचा था। करीब 1.10 करोड़ रूपए की लागत से इन दोनों सड़कों को सुधारा जाएगा।

देवनानी ने कहा कि सड़क, पानी, बिजली, चिकित्सा और पर्यटन विकास हमारी प्राथमिकता है। इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध रूप से काम होगा। राज्य बजट एवं राज्य सरकार की ओर से हाल ही में सड़कों के विकास के लिए घोषणा की गई है। शहर की सड़कों के सम्पूर्ण कायाकल्प के लिए इस राशि से योजनाबद्ध काम करवाया जाएगा।

देवनानी ने कहा कि इसी तरह चिकित्सा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण काम होने जा रहे हैं। अजमेर का जवाहर लाल नेहरु अस्पताल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल बनेगा।

खेल मंत्री ने राज्य स्तरीय साइक्लिंग प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

जयपुर। खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और भीम विधायक हरिसिंह रावत ने शुक्रवार को राजसमंद जिले के भीम में 68वीं राज्य स्तरीय साइक्लिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं के उत्साह और क्षमता की सराहना करते हुए फिटनेस से लेकर स्किल डेवलपमेंट तक हर क्षेत्र में अग्रणी रहने हेतु आह्वान किया। मंत्री राठौड़ ने कार्यक्रम के दौरान उपस्थित प्रतिभागियों और दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश का भविष्य है और इनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए फिटनेस का विशेष महत्व है। उन्होंने प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा, स्वस्थ और फिट युवा ही समाज की प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार की साइक्लिंग प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती हैं, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ राजस्थान के निर्माण में भी योगदान करती हैं। उन्होंने इस मौके पर सभी से यह संकल्प लेने का आह्वान किया कि वे स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहकर राजस्थान को स्वच्छ-स्वस्थ राज्य बनाने में सहयोग करेंगे।

सरकार अंत्योदय एवं सुशासन की स्थापना के लिए कटिबद्ध : जोगाराम

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को जोधपुर सर्किट हाउस में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को त्वरित आवश्यक कार्यवाही कर राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल एवं संवेदनशील नेतृत्व में अंत्योदय एवं सुशासन के संकल्प को साकार करने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। आमजन के कार्य नियत समय में हो इसके लिए सरकार द्वारा नियमित जनसुनवाई की जा रही है। उन्होंने कहा जनसुनवाई में प्राप्त परिवेदनाओं का नियमानुसार शीघ्र निस्तारण करके आमजन को राहत प्रदान की जा रही है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा कि अधिकारी आमजन से संवाद रखकर जनहितैषी कार्यों को प्राथमिकता के साथ संपादित करें। सभी अधिकारी अपने विभागीय कार्यालयों की नियमित मॉनिटरिंग एवं औचक निरीक्षण करें।

असम सरकार ने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटा दिया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''असम में, हम वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सफलता की एक नई कहानी लिख रहे हैं। हमेशा की तरह संदिग्धों के विरोध के बावजूद, हमने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया।'' उन्होंने लिखा कि ओरंग राष्ट्रीय उद्यान का क्षेत्रफल अब कई गुना बढ़ गया है और यह काजीरंगा और बुरहा-चापोरी वन्यजीव अभयारण्य से सीधे जुड़ गया है, जिससे जानवरों के पनपने के लिए 180 किलोमीटर लंबा एक निर्बाध संरक्षित क्षेत्र बन गया है। शर्मा ने कहा, ''यह विशाल क्षेत्र अब वनस्पतियों और जीवों के विविध रूपों को संजोये रखेगा और असम को जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में मजबूत करेगा।''

केंद्र को आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की सीमा हटानी चाहिए : शरद पवार

सांगली (महाराष्ट्र)/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से शिक्षा एवं सरकारी नौकरियों में आरक्षण की मौजूदा सीमा 50 प्रतिशत से अधिक करने के लिए संवैधानिक संशोधन लेकर आने की अपील की। हालांकि, शिवसेना ने सवाल किया कि पवार महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले क्यों यह मुद्दा उठा रहे हैं? पार्टी ने जानना चाहा कि पवार ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए मुख्यमंत्री रहते हुए क्या किया ?

पवार ने यहां पत्रकारों से कहा कि आरक्षण के लिए आंदोलन कर रहे मराठाओं को आरक्षण देकर इस बात का भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि इस तरह के कदम से अन्य समुदायों के लिए निर्धारित आरक्षण की सीमा में कोई व्यवधान नहीं पड़े। उन्होंने कहा, ''वर्तमान आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत है। लेकिन अगर तमिलनाडु (विभिन्न समुदायों के लिए आरक्षण) 78 प्रतिशत कर सकता है तो महाराष्ट्र में 75 प्रतिशत आरक्षण क्यों नहीं किया जा सकता।'' उन्होंने कहा कि केंद्र को आगे बढ़कर आरक्षण की सीमा बढ़ाने के लिए संविधान संशोधन लाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हम संशोधन का समर्थन करेंगे।''

कांग्रेस की अनदेखी की वजह से पूर्वोत्तर में पनपे उग्रवादी संगठन : रीजीजू

नागपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासन काल के दौरान मणिपुर और अन्य राज्यों पर ध्यान नहीं दिया जिसकी वजह से क्षेत्र में कई उग्रवादी संगठन तैयार हो गए।

केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री रीजीजू ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मणिपुर की हालिया हिंसा पहली घटना नहीं है और राज्य में पूर्व में हुए जातीय संघर्षों में 500 से 800 लोगों की मौत हुई थी लेकिन केंद्र की पूर्ववर्ती सरकारों ने इसपर कभी ध्यान नहीं दिया। संवाददाताओं ने जब मणिपुर की हिंसा को लेकर सवाल किया तो रीजीजू ने कहा कि इसके लिए राज्य में कांग्रेस के 'कुशासन' को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, '' कांग्रेस के लोगों ने मणिपुर और पूरे पूर्वोत्तर भारत पर ध्यान नहीं दिया जिसकी वजह से कई उग्रवादी संगठनों ने जन्म लिया। पूर्वोत्तर की तरह दुनिया का ऐसा कोई इलाका नहीं है जहां इतनी संख्या में उग्रवादी समूह हो।''

भुवनेश्वर हवाईअड्डे को दो साल में मिलेगा नया टर्मिनल : मंत्री

भुवनेश्वर/भाषा। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने शुक्रवार को कहा कि बढ़ते यातायात के कारण केंद्र एक महीने के भीतर भुवनेश्वर हवाईअड्डे पर एक नए टर्मिनल के निर्माण की अनुमति दे देगा। समीक्षा बैठक के बाद नायडू ने कहा कि बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (बीपीआईए) पर नये टर्मिनल का काम दो वर्षों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भुवनेश्वर हवाईअड्डे के टर्मिनल-1 की वर्तमान क्षमता सालाना लगभग 40 लाख यात्रियों की है, जबकि यह लगभग 50 लाख यात्रियों को संभाल रहा है। उन्होंने कहा, इससे प्रति वर्ष 80 लाख यात्रियों को समायोजित करने के लिए इसकी क्षमता का विस्तार करने की तत्काल आवश्यकता रेखांकित होती है। नायडू ने बीपीआईए के महत्वपूर्ण विकास पर भी जोर दिया, जो वर्तमान में भारत भर में 20 शहरों और चार अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ा हुआ है। मंत्री ने यह भी कहा कि मंत्रालय भुवनेश्वर से जम्मू, सूरत, जयपुर और विशाखापत्तनम तक हवाई संपर्क शुरू करने की मांग पर विचार करेगा। पुरी में प्रस्तावित हवाईअड्डे पर एक सवाल का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रस्तावित अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू कर दी है और केंद्र ने साइट की मंजूरी भी दे दी है।

10 वर्षों में देश भर में 75,000 मेडिकल सीट बढ़ाने की योजना बना रहा केंद्र : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए अगले 10 वर्षों में देश भर में और 75,000 मेडिकल सीट बढ़ाने की योजना बना रहा है। शाह ने शहर के पास अडालज गांव में एक न्यास द्वारा संचालित अस्पताल 'हीरामणि आरोग्यधाम' का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले स्वच्छता अभियान शुरू किया, जो कई बीमारियों को खत्म करने के लिए एक सफाई अभियान था। फिर उन्होंने लोगों को कई अन्य बीमारियों से बचाने के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने और प्रत्येक घर में शौचालय बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। उसके बाद उन्होंने योग को लोकप्रिय बनाया और पांच लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान भारत योजना शुरू की।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के बेहतर कार्यान्वयन के लिए मोदी ने प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करने के साथ-साथ देश भर में नये मेडिकल कॉलेज स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया। शाह ने कहा, ''प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में सभी 14 विभागों वाला एक अस्पताल होता है। अब, हमने अगले 10 वर्षों में 75,000 और मेडिकल सीट जोड़ने का लक्ष्य रखा है।'' उन्होंने कहा कि सस्ती जेनेरिक दवाइयां बेचने वाले सरकारी दवा दुकानों का जाल बनाना भी केंद्र के समग्र दृष्टिकोण का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 140 करोड़ नागरिकों के लाभ के लिए 37 अलग-अलग योजनाएं शुरू की हैं और उन्हें लागू किया है।

आरक्षण के लिए अनुसूचित जातियों का उप वर्गीकरण: समीक्षा याचिकाएं खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने अपने उस फैसले की समीक्षा के अनुरोध वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया है जिसमें कहा गया था कि आरक्षण देने के लिए राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि रिकॉर्ड में कोई त्रुटि नजर नहीं आती है। शीर्ष अदालत ने पुनर्विचार याचिकाओं को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने के आवेदन भी खारिज कर दिए।

मामले में एक अलग असहमति वाला फैसला लिखने वाली न्यायमूर्ति त्रिवेदी भी बहुमत से सुनाए गए निर्णय पर पुनर्विचार का अनुरोध करने वाली याचिकाओं को खारिज करने वाली सात न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा थीं। आदेश 24 सितंबर का है जो आज वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

'कोकीन' कांग्रेस बन गई है देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 5,600 करोड़ रुपए के प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त होने के मामले में तुषार गोयल की गिरफ्तारी को लेकर विपक्षी दल पर हमला तेज करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस अब 'कोकीन' का कारोबार करने वाले नेताओं की पार्टी बन गई है।

यहां भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने युवा कांग्रेस के उस दावे को भी खारिज कर दिया कि गोयल को 17 अक्टूबर, 2022 को पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''यह एक जालसाजी है जिसके लिए कांग्रेस प्रसिद्ध है। जैसे ही वह (गोयल) मामले में आरोपी बना, संगठन से उसके निष्कासन का एक पत्र पूर्व की तिथि से जारी किया गया।'' उन्होंने कांग्रेस से उसके दावे की सत्यता का 'डिजिटल प्रमाण' मांगा।

भाटिया ने आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा जब्त मादक पदार्थ की बरामदगी से पता चलता है कि इसका एकमात्र उद्देश्य 'हरियाणा और देश के युवाओं' को नशे की लत में धकेलना था। उन्होंने कहा, ''यह किस तरह की 'सी' कांग्रेस है?... सी कंफ्यूजन (भ्रम) के लिए, सी करप्शन (भ्रष्टाचार) के लिए और अब सी कोकीन के लिए। कांग्रेस जो अब तक भ्रष्टाचार के लिए जानी जाती थी, अब कोकीन के लिए जानी जाती है। यह कोकीन कांग्रेस बन गई है।''

भाटिया ने कहा कि कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि महिलाओं का उत्पीड़न करने, भ्रष्टाचार करने और प्रतिबंधित मादक पदार्थों का कारोबार करने वाले लोग उसके संगठन में क्यों दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राहुल गांधी को स्पष्टीकरण देना चाहिए। लोग कह रहे हैं कि भ्रमित और भ्रष्ट कांग्रेस अब कोकीन कांग्रेस है।''

भारत को 2047 तक शीर्ष पांच ओलंपिक पदक जीतने वाले देशों में पहुंचाने का लक्ष्य : मांडविया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि भारत 2047 में जब आजादी के सौ साल पूरे करेगा तो देश को ओलंपिक पदक जीतने वाले शीर्ष पांच देशों में शामिल करना है । उन्होंने यहां लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षण संस्थान के 10वें दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद पत्रकारों से कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए विश्व स्तरीय कोचों और ट्रेनिंग का पूल तैयार करना होगा ।

मांडविया ने कहा ,'मुझे ग्वालियर आने की खुशी है क्योंकि यह दिवंगत राजमाता विजयाराजे सिंधिया की कर्मभूमि रही है । देश खेलों के क्षेत्र में आगे बढ रहा है । भारत जब ओलंपिक 2036 की मेजबानी करेगा तो इसे खेलों में शीर्ष दस देशों में होना चाहिये ।'' उन्होंने कहा ,'' और जब देश आजादी के सौ साल पूरे होने का 2047 में जश्न मनायेगा तो खेलों में शीर्ष पांच देशों में होना चाहिये । इसके लिए देश को विश्व स्तरीय कोचों का पूल और अभ्यास सुविधायें चाहिये । इसमें एलएनआईपीए ग्वालियर अहम भूमिका निभा सकता है ।''

'जल जीवन मिशन' योजना में केंद्र ने बड़ा कुप्रबंधन किया : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की प्रमुख योजना 'जल जीवन मिशन' के लिए धन आवंटन पूरी तरह अपर्याप्त है तथा इसका लक्ष्य हासिल नहीं हुआ है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि इस योजना में केंद्र के स्तर पर बड़ा कुप्रबंधन हुआ है।

'जल जीवन मिशन' का लक्ष्य ग्रामीण भारत के सभी घरों में 2024 तक घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से सुरक्षित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना है। रमेश ने पोस्ट किया, ''2019 के अगस्त में प्रधानमंत्री ने बड़ी धूमधाम से 'जल जीवन' मिशन की घोषणा की थी। इसके तहत मार्च 2024 तक देश के सभी घरों में नल से पीने का पानी उपलब्ध कराने का वादा था।'' उनका कहना था, ''यह समय सीमा सात महीने पहले ही पूरी हो चुकी है। इसके बाद भी लक्ष्य हासिल नहीं हुआ है। ज्यादा चिंता की बात यह है कि अब यह सामने आ रहा है कि योजना की लागत प्रारंभिक अनुमानों से दोगुनी हो गई है, जबकि धन आवंटन पूरी तरह से अपर्याप्त है।'' कांग्रेस ने दावा किया कि इस योजना की प्रगति रुक गई है क्योंकि राज्य सरकारें केंद्र की तरफ़ से होने वाली मामूली वित्तपोषण के बीच निवेश जारी रखने में असमर्थ हैं, भले ही केंद्र सरकार 50-60 प्रतिशत लागत वहन करने के लिए सहमत हुई है।

मिर्जापुर में सड़क हादसे में 10 मजदूरों की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मिर्जापुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बृहस्पतिवार देर रात को एक ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में 10 मजदूरों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मिर्जापुर में हुए सड़क हादसे में 10 लोगों की मौत को अत्यंत पीड़ादायक बताया और कहा कि राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। उन्होंने हादसे के पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा भी की। मिर्जापुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिनंदन ने बताया कि दुर्घटना देर रात करीब एक बजे मिर्जापुर-वाराणसी सीमा पर कछवां और मिर्जामुराद के बीच जीटी रोड पर हुई। एसपी ने बताया, ''ट्रैक्टर-ट्रॉली में 13 मजदूर थे जो भदोही जिले में निर्माण कार्य करके लौट रहे थे, तभी उनके वाहन को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया।'' सभी मजदूर भदोही जिले में ढलाई का काम करके वापस लौट रहे थे। अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ओपी सिंह ने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। एटा जिले से आ रहे ट्रक पर शीशे की शीट लदी हुई थी। ट्रक का ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए।

सूचना प्राप्त होते ही एसपी अभिनंदन और अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। एसपी ने बताया कि हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार 13 लोगों में से 10 की मौत हो गयी तथा तीन लोग घायल हो गये। घायलों को तुरंत ट्रॉमा सेंटर (काशी हिंदू विश्वविद्यालय) वाराणसी भेजा गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है।'' उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान भानू प्रताप (25), विकास कुमार (20), अनिल कुमार (35), सूरज कुमार (22), सनोहर (25), राकेश कुमार (25), प्रेम कुमार (40), राहुल कुमार उर्फ टिल्लू (26), नितिन कुमार (22), रोशन कुमार (17) के रूप में हुई है, जबकि आकाश कुमार, जमुनी और अजय सरोज हादसे में घायल हुए हैं। ये सभी वाराणसी जिले के निवासी थे। अभिनंदन ने बताया कि पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर उन्हें शवगृह भेजा है। इस संबंध में कछवां थाने में मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारी दुर्घटना के कारणों की गहन जांच कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जान गंवाने वालों के शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।'' उन्होंने कहा, ''ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने की शक्ति प्रदान करे। इसके साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है।'' प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायुसेना 2047 तक अपने सभी सामान का उत्पादन भारत में ही करने पर विचार कर रही है। एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वायुसेना दिवस से पहले एक संवाददाता सम्मेलन में वायुसेना प्रमुख ने यह भी कहा कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, खासकर लद्दाख सेक्टर में और भारत भी एलएसी पर बुनियादी ढांचे की तैयारी कर रहा है। विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनावों और संघर्षों पर चर्चा करते हुए वायुसेना प्रमुख ने कहा कि भविष्य की किसी भी सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए स्वदेशी हथियार प्रणालियों का होना महत्वपूर्ण है। एक प्रश्न के उत्तर में एयर चीफ मार्शल सिंह ने कहा कि रूस ने एस-400 मिसाइल प्रणाली की तीन इकाइयों की आपूर्ति कर दी हैं।

हरियाणा के लोग प्रधानमंत्री की पूंजीवादी नीतियों के चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए प्रहार करेंगे : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भाजपा की आर्थिक नीतियों को लेकर उस पर प्रहार किया और कहा कि हरियाणा के लोग जल्द ही ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पूंजीवादी नीतियों के चक्रव्यूह'' को तोड़ने के लिए अगला प्रहार करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हरियाणा की सत्ता में आने के बाद कांग्रेस रोजगार सृजन पर जोर देगी तथा राज्य को नशामुक्त किया जाएगा जिससे हर परिवार खुशहाल होगा।

हरियाणा की सभी 90 सीट के लिए शनिवार को मतदान होगा और मतगणना आठ अक्टूबर को होगी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''हाल ही में मैंने गोहाना की स्वादिष्ट जलेबियों और उन्हें अधिक व्यापक रूप से बेचने की संभावना के बारे में बात की थी। भारत में ऐसे ही छोटे उत्पादकों के 5500 समूह हैं, जो उचित सहयोग मिलने पर अपने उत्पादों को दुनिया भर में बेच सकते हैं। उन्हें वित्त, प्रौद्योगिकी, नेटवर्क, ब्रांडिंग और बेहतर आधार प्रदान करने के लिए नीतियों की आवश्यकता है। इस सहयोग से दुनिया न केवल हमारी मिठाई का आनंद ले सकती है, बल्कि सोपोर के सेब, बल्लारी की जींस, कोल्हापुरी चप्पल, मेघालय के अनानास, बिहार के मखाने, मुरादाबाद के पीतल के बर्तन और बहुत कुछ का आनंद ले सकती है।''

ओडिशा के राजभवन में हुई बैठक में राजनीति पर चर्चा नहीं : वेंकैया नायडू का कार्यालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि एक सप्ताह पहले यहां राजभवन में ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास से उनकी मुलाकात के दौरान किसी राजनीतिक मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई थी। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सक्रिय राजनीति में लौटने के इच्छुक हैं।

नायडू और असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 27 सितंबर को दास से मुलाकात की। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी वहां मौजूद थे। शर्मा झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के सह-प्रभारी भी हैं। झारखंड में इस साल के अंत में चुनाव होने वाला है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, नायडू के कार्यालय ने कहा कि यह एक शिष्टाचार भेंट थी। इसमें कहा गया, इस शिष्टाचार भेंट के पीछे कोई राजनीतिक मकसद नहीं होना चाहिए और भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति के कार्यालय को इस तरह के राजनीतिक विवाद में घसीटना स्पष्ट रूप से अनुचित है।

हॉकी इंडिया लीग की सात साल बाद वापसी, पहली बार महिला लीग भी होगी

नई दिल्ली/भाषा। बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की सात साल बाद 28 दिसंबर से नए स्वरूप में वापसी होगी जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी। महिलाओं की स्पर्धा पहली बार आयोजित की जा रही है । लीग का आयोजन 28 दिसंबर से एक फरवरी तक दो स्थानों राउरकेला और रांची में किया जाएगा। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी यहां 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक एकत्र होंगे । खिलाड़ियों की नीलामी तीन श्रेणियों दो लाख रुपए, पांच लाख रुपए और 10 लाख रुपए में की जाएगी। हॉकी इंडिया लीग की वापसी देश में हॉकी के इतिहास में ही एक अहम कदम नहीं है बल्कि महिला हॉकी को बढावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है । पहली बार महिला लीग शुरू करने से महिला हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच मिलेगा । पुरुष वर्ग में फ्रेंचाइजी मालिक चेन्नई (चार्ल्स ग्रुप), लखनऊ (याडु ग्रुप), पंजाब (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट), ओडिशा (वेदांता लिमिटेड), हैदराबाद (रिसोल्यूट स्पोटर्स) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्रा.लि.) हैं । महिला वर्ग में टीम मालिक हरियाणा (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्रा.लि.) हैं । महिला लीग की बाकी दो टीमों का ऐलान बाद में किया जायेगा । हर टीम में 24 खिलाड़ी होंगे जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी होंगे । इनमें चार जूनियर खिलाड़ी और आठ अंतरराष्ट्रीय सितारे होना अनिवार्य है।

मंधाना के बारे में बोली शेफाली, चेहरे के भाव देखकर ही एक दूसरे की बात समझ जाते हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि उनका अपनी जोड़ीदार स्मृति मंधाना से इतना जबर्दस्त तालमेल है कि दोनों बल्लेबाजी के दौरान एक दूसरे के चेहरे के भाव देखकर मन की बात पढ लेते हैं ।

पिछले कुछ वर्ष में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के अच्छे प्रदर्शन के पीछे उसके सलामी बल्लेबाजों की सफलता भी है । शेफाली ने कहा कि उन्हें पता है कि टीम के लिए उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है । शेफाली ने मंधाना के साथ तालमेल के सवाल पर स्टार स्पोटर्स से कहा ,'' मैं पिछले दो तीन साल से मंधाना के साथ पारी की शुरूआत कर रही हूं और अब हम बल्लेबाजी के दौरान चेहरे के भाव से ही एक दूसरे के मन की बात पढ लेते हैं । हमें एक दूसरे की ताकत और कमजोरियां पता हैं और हम एक दूसरे को सकारात्मकता देते हैं ।'' उन्होंने कहा ,'' हमें पता है कि टीम के लिए हम दोनों कितने अहम है खासकर पावरप्ले के दौरान । इसीलिए हम अपने लिए, टीम के लिए और देश के लिए अच्छे प्रदर्शन का प्रयास करते हैं ।'' शेफाली ने कहा ,'' स्मृति दी की टाइमिंग कमाल की है और उन्हें पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाना आता है । मुझे उनकी यही बात बहुत पसंद है ।'' उन्होने कहा कि विश्व कप जीतना कप्तान हरमनप्रीत कौर का सपना है । उन्होंने कहा ,'' हरमनप्रीत दी खेल को लेकर काफी जुनूनी है । विश्व कप जीतना उनका सपना रहा है और मैं उम्मीद करती हूं कि उनका यह सपना सच हो जाये । वह महान खिलाड़ी और शानदार कप्तान है जो हमें प्रेरित करती है ।''

सुविचार

आप कोई चीज तब तक नहीं कर सकते, जब तक आप उसकी कल्पना नहीं करते!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़

पाकिस्तान के एक नागरिक का उसकी पत्नी और कुछ अन्य लोगों सहित कई वर्षों से फर्जी पहचानपत्र के साथ बेंगलूरु के पास रहने का मामला राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत गंभीर विषय है। देशभर में ऐसे कितने लोग हैं, जो पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार या किसी अन्य देश के नागरिक हैं, लेकिन यहां अवैध ढंग से डेरा डाले बैठे हैं? इस बात की क्या गारंटी है कि फर्जी दस्तावेजों के साथ 'नई पहचान' का लबादा ओढ़े ये लोग सिर्फ रहने के मकसद से यहां आए थे? शत्रु देशों की खुफिया एजेंसियां और भारतविरोधी संगठन उनका इस्तेमाल कर सकते हैं। लिहाजा ऐसे हर मामले को बहुत गंभीरता से लेना चाहिए। यह कैसे संभव है कि कोई विदेशी शख्स अपने परिवार के साथ महीनों / वर्षों हमारे देश में रहे और पड़ोसियों को उसका पता भी न चले? उसे रोजमर्रा का सामान खरीदने, कामकाज करने के लिए बाहर तो जाना होता है। क्या उसका लहजा छिप सकता है? अगर राजस्थान, मध्य प्रदेश या उत्तराखंड ... के किसी शहर में श्रीलंका का कोई शख्स अपने परिवार के साथ आकर रहने लगे तो उसके दस्तावेजों में कितना ही फर्जीवाड़ा क्यों न हो, आस-पास के लोगों को तुरंत इस बात का संदेह हो जाएगा कि जरूर कोई गड़बड़ है। हमारे देश की सुरक्षा और अखंडता के साथ एक अजीब तरह का खिलवाड़ हो रहा है। घुसपैठिए किसी-न-किसी तरीके से यहां आने में कामयाब हो जाते हैं। उसके बाद वे आसानी से फर्जी दस्तावेज बनवा लेते हैं! उन दस्तावेजों को देखकर जांच अधिकारी भी हैरान रह जाते हैं। दुर्भाग्य की बात है कि हमारे ही देश के कुछ लोग लालच में आकर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं।

जब भारत के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास पढ़ते हैं तो पता चलता है कि बड़े-बड़े योद्धाओं के साथ उन्हीं के कुछ साथियों ने विश्वासघात किया था। जब विदेशी आक्रांता अपनी पूरी ताकत लगाकर भी किले की दीवारें नहीं तोड़ पाते थे, तब कुछ लोग चंद सिक्कों के बदले अपनी निष्ठा का सौदा कर लेते थे। वे किले के दरवाजे अंदर से खोल देते या दीवार के कमजोर हिस्से की ओर इशारा कर देते थे। अगर समय रहते उन भ्रष्टाचारियों की पहचान कर उन्हें कठोर दंड दे दिया जाता तो हमारा इतिहास कुछ और ही होता। हमारे पूर्वजों को सदियों तक विदेशी आक्रांताओं का गुलाम नहीं रहना पड़ता। अब भारत सरकार को ऐसे लोगों के मामलों में बहुत सख्ती दिखानी होगी, जो घुसपैठियों को फर्जी आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट आदि बनाकर देते हैं या किसी भी तरह से उनकी मदद करते हैं। उन पर भारी जुर्माना लगाया जाए। साथ ही कठोर कारावास दिया जाए। यह भी विडंबना है कि जब घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई करने का मुद्दा उठाया जाता है तो कुछ 'बुद्धिजीवी' इसे मानवाधिकार का मुद्दा बनाकर अदालतों में चले जाते हैं। वे मांग करते हैं कि इन लोगों को उनके देश न भेजा जाए, बल्कि यहां आवास, भोजन, रोजगार, चिकित्सा समेत सभी तरह की सुविधाएं दी जाएं। वे उन्हें नागरिकता देने की वकालत करते हैं। हां, वे कश्मीरी पंडितों के मुद्दे को काल्पनिक करार देंगे। पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान में हिंदू, सिक्ख, ईसाई, बौद्ध, जैन और पारसी समुदाय के लोगों के उत्पीड़न पर चुप्पी साधे रखेंगे। लेकिन जैसे ही 'घुसपैठियों' की पहचान कर उन्हें स्वदेश भेजने की बात की जाती है तो उनमें न जाने कहां से ऊर्जा का भारी संचार होने लगता है। उन्हें असहिष्णुता, मानवाधिकारों का हनन समेत सारे ऐब भारतीय समाज में दिखाई देने लगते हैं। वे सोशल मीडिया पर खरी आलोचना करने लगते हैं। वे चाहते हैं कि देश उन लोगों का खर्च वहन करे, जो गलत तरीके से सरहद पार कर आए हैं और यहां रहने के लिए फर्जी दस्तावेज बनवा लिए हैं। अगर ऐसे दस-पंद्रह लोगों को उन्हें अपने घर में एक दिन रखने के लिए कहा जाए तो वे हाथ खड़े कर देंगे और कोई बहाना बनाकर अपना पल्ला झाड़ लेंगे। भारत सरकार को चाहिए कि वह घुसपैठियों के खिलाफ तो सख्त कार्रवाई करे ही, फर्जी दस्तावेज बनाकर उनकी मदद करने वालों के लिए दंड का ऐसा प्रावधान करे, जिससे दूसरों को सबक मिले।

ट्वीटर टॉक

नागपुर प्रवास के दौरान भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण पंचतीर्थों में से एक, दीक्षा भूमि के दर्शन करने का अवसर मिला। इस अवसर पर सामाजिक न्याय के प्रेरणापुंज बाबा साहेब को भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किया।

-अर्जुनराम मेघवाल

मुख्यमंत्री सुक्खू हिमाचल में कहते हैं कि हमें कुछ नहीं मिला, केंद्र हमारी मदद नहीं कर रहा। सुक्खू , अगर केंद्र मदद न करे तो एक दिन भी हिमाचल की सरकार नहीं चल सकती। हर महीने केंद्र सरकार 500 करोड़ रुपये रेवेन्यू डेफिसिट फंड में भेजती है।

-जेपी नड्डा

एक ओर जहाँ मोदी सरकार 'नशामुक्त भारत' के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की छ5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

संस्कृति के संवाहक

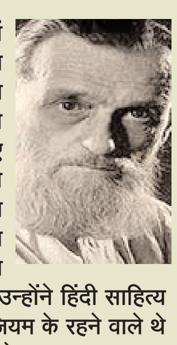

कामिल बुल्के बेल्जियम के ऐसे इलाके में रहते थे जहां फ्लेमिश भाषा भाषी लोग बसे थे, लेकिन उस दौरान बेल्जियम के कई हिस्सों में फ्रेंच का बोलबाला था। यहां तक कि शासक वर्ग भी फ्रेंच ही बोलते थे, ऐसे में अपनी भाषा और संस्कृति की अस्मिता के लिए कामिल बुल्के ने लड़ाइयां लड़ी थी। भारत पहुंचने पर उन्होंने यह पाया कि यहां के अधिकतम लोग अपनी बोली और भाषा को साधने के बजाय अंग्रेजी बोलने में अधिक गर्व महसूस करते हैं और अपनी ही परंपराओं से अंजान हैं। यहीं से उनका भारतीय भाषाओं से लगाव पनपने लगा और आगे चलकर उन्होंने हिंदी साहित्य में अविस्मरणीय योगदान दिया। वैसे तो कामिल बुल्के बेल्जियम के रहने वाले थे लेकिन भारतीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के साधक भी थे। उनका कहना था कि रामचरित मानस केवल एक अद्भुत और अनूठी कृति ही नहीं है यह जीवन जीने का एक तरीका भी है।

सामयिक

असुर संहारिणी महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा

अशोक प्रवृद्ध

भारत में नवरात्र आदि अवसरों पर निर्मित प्रतिमाओं के चित्रण में देवी को महिषासुर का वध करते हुए चित्रित किए जाने की पौराणिक, ऐतिहासिक व विस्तृत परंपरा है। पौराणिक कथाओं में दुर्गा को असंख्य नामों के साथ ही महिषासुर मर्दिनि भी कहा गया है। दुर्गा ने महिषासुर का दमन किया था, मर्दन किया था। मान्यतानुसार असुरों के राजा रंभासुर का पुत्र महिषासुर एक महान असुर हो गया था। रंभ को एक महिषी अर्थात भैंस से प्रेम हो गया। महिषासुर इन्हीं दोनों की संतान था। मनुष्य और भैंस के समागम से पैदा होने के कारण महिषासुर अपनी इच्छानुसार मनुष्य अथवा भैंसा का रूप धारण कर सकता था। महिषासुर ने भगवान ब्रह्मा की कठोर तपस्या कर ब्रह्मा से यह वरदान प्राप्त करने में सफलता प्राप्त कर ली कि देवता अथवा दानव कोई उस पर विजय प्राप्त न कर सके। ब्रह्मा का वरदान पाकर महिषासुर आततायी हो गया। वह देवलोक में उत्पात मचाने लगा। उसने इंद्रदेव पर विजय पाकर स्वर्ग पर कब्जा जमा लिया। ब्रह्मा, विष्णु, महेश समेत सभी देवतागण परेशान हो उठे। महिषासुर के संहार के लिए सभी देवताओं के तेज से माता दुर्गा का अवतरण हुआ। दुर्गा को सभी देवताओं ने अपने अस्त्र-शस्त्र दिए। शिव ने अपना त्रिशूल दिया, विष्णु ने अपना चक्र दिया, इंद्र ने अपना वज्र और घंटा दिया। इसी तरह से सभी देवताओं के अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित दुर्गा शेर पर सवार होकर महिषासुर का संहार करने निकली।

महिषासुर राजा का वध करने निकली एक शरीरधारी रानी दुर्गा की यह प्रचलित पौराणिक कथा बिना सिर पैर के कथानक पर आधारित वैज्ञानिकता के सत्य से परे आज के वैज्ञानिक युग में पूरी तरह से नकारने योग्य है। इस पर बिश्वास करना मूर्खता के सिवा कुछ नहीं है। वैदिक संहिताओं में प्रयुक्त में दुर्गा शब्द का अर्थ और इसका अलंकारिक भाषा में भावार्थ कुछ अन्य ही है। मनुष्य और भैंस के समागम से संतान उत्पन्न होना, उनसे उत्पन्न संतान का मनुष्य का और भैंस का रूप धारण करना, असुर को मार सकने योग्य दुर्गा की उत्पत्ति करने वाले विष्णु, महेश अर्थात परमात्मा का महिषासुर के सामने शक्तिहीन होना आदि बातें ईश्वर के अथवा प्राकृतिक नियमों के विपरीत, असंगत व तर्क से परे लगती हैं।

कथा के अनुसार महिषासुर बाद में स्वर्ग लोक के देवताओं को परेशान करने लगा और पृथ्वी पर भी उत्पात मचाने लगा। उसने शांतिप्रिय जनता का जीना दूभर कर दिया। उसने सभी देवताओं को वहाँ से खदेड़ दिया। उसके डर से वह देवता तुल्य विद्वान लोगों ने पलायन शुरू कर दिया। और कोई उपाय न मिलने पर देवताओं ने उसके विनाश के लिए दुर्गा का सृजन किया, जिसने महिषासुर का वध किया। दुर्गा ने भैंसा जैसे असुर राजा का वध किया, जिसकी प्रवृति अच्छी न थी, राक्षसी थी, अमानवीय थी। ऐसी भैंसा के समान अमानवीय प्रवृति वाले अत्याचारी असुर राजा का एक दिन विनाश होता ही है। इस कथानक में असुर राजा का रानी दुर्गा ने संहार किया। महिषासुर का दमन करने वाली एक शक्तिशाली आर्य नारी दुर्गा की साहस, आदर्शवादी व बहादुरी की पौराणिक कथाएं अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती रही हैं, लेकिन कालांतर में इसे गलत ढंग से प्रस्तुत कर मूर्ति का रूप देकर पूजा जाने लगा।

शब्द विज्ञानियों के अनुसार महिषासुर मूल रूप से महिष और असुर शब्दों के संयोग से बना है। महिष का सर्वाधिक प्राचीन अर्थ महा शक्तिमान है। यह मह धातु में इषन प्रत्यय जोड़कर बना है, जिनमें गुरूता का भाव है। गुरूता भाव लिए मह धातु से अनेक शब्द बने हैं। जैसे- महा, महान, महत्व महिमा आदि। महिष भी ऐसे शब्दों में से एक है। कालांतर में महा शक्तिमान राजाओं को भी महिष कहा जाने लगा। रानियों को महिषी कहा जाने लगा। पौराणिक ग्रंथों में महिष का अर्थ भैंसा के रूप में भी किया गया है। महिष का एक अर्थ रंग के आधार पर भैंसा भी हो गया।

वैदिक विद्वानों के अनुसार यह पौराणिक कथा मनुष्य की रणनीति, शक्ति और अहंकार के दमन का वर्णन है। इस कथानक में महिषासुर मन के लिए प्रयोग हुआ है। मनुष्य अपने मन का राजा है और यह मन महिषासुर की भांति है, जिसमें अशुद्ध -कलुषित प्रवर्तियां भी जन्म लेती रहती है। मनुष्य कर्म करने में स्वतंत्र है। इसलिए उसमें देव और असुर दोनों प्रकार की प्रवृतियां जाग्रत होती रहती है। अत्यधिक गुणी व्यक्ति में अहंकार उत्पन्न हो जाना, ज्ञान का भी दुरूपयोग होना आदि प्रवृति को महिषासुर प्रवृति का नाम दिया है। इन सबके ऊपर ब्रहविद्या के द्वारा, ज्ञान-विज्ञानं के द्वारा नियंत्रण करना, संयम करना ही महिषासुर का दमन है। इस अध्यात्म ज्ञान, ब्रह्म विद्या को ही माता दुर्गा की उपाधि प्राप्त है। यह दुर्गा सिंह पर सवार है, सिंह इसका वाहन है। जब आत्मा इनके ऊपर सवार होकर इनको धर्म के मार्ग पर चलाता है तो यही अलंकारी रूप में शेर की सवारी बन जाती है। दुर्गा के आठ हाथ अष्टांग योग का प्रतीक है, जिनमें यम ,नियम आदि आते है। इसके हाथ में त्रिशूल का अर्थ है- माया रूपी तीन शूल अर्थात सत ,रज और तम इनको एक जगह लेकर अर्थात माया के तीनों गुणों पर अपने नियंत्रण द्वारा ही साधना में सफलता प्राप्त किया जा सकता है। भगवान विष्णु के द्वारा अपना चक्र दिए जाने का अर्थ है- सृष्टि को चलाने वाले ईश्वर ने जीवात्मा को शांति और ज्ञान प्रदान किया जिसके बल पर जीवात्मा ने अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित होकर माता दुर्गा शेर पर सवार होकर महिषासुर का संहार किया।

प्राचीन वैदिक काल में वर्ष के प्रथम मास का नाम मधु था। मधु तथा माधव ये दोनों महीने वसंत ऋतु के होते थे। इसलिए मधु संवत्सर का सिर था। वृहदारण्यकोनिषद में संवत्सर तथा यज्ञ दोनों को ही प्रजापति कहा गया है। यज्ञ तथा यज्ञीय अश्व का अनेक स्थानों में समीकरण किया गया है। यज्ञ के अश्व का वध होता था। उषा को भी यज्ञीय अश्व का सिर कहा गया है। ऋग्वेद के इंद्र उषा के रथ का ध्वंस करने वाले हैं।

छान्दोग्य उपनिषद 1 /3 में आदित्य को देवमधु, उसकी किरणों को भ्रमर तथा दिशाओं को मधुनाड़ी कहा गया है। इंद्र के मेघ से सूर्य आच्छादित हो जाता है, तथा सूर्य के तिरोहित होने पर उसके स्थान पर तड़ित अर्थात वाग्देवी का प्रकाश सूर्य के समान रहता है। देवी द्वारा मधु का यही वध है। कैटभ अथवा केतु भी चंद्रमा अथवा सूर्य ही है, जो अकेतु अर्थात अचेतन को केतु अर्थात चेतनशील करता है। मिश्र की देवी आइसिस भी महर्षि अम्भृण की पुत्री वाक की तरह प्रथमतः एक मानुषी स्त्री थी, पर पीछे उन्होंने अपनी अद्भुत शक्ति से सूर्यदेव रा को वश में कर लिया था। धूम्रलोचन, चंड -मुंड, रक्तबीज, निशुंभ- शुंभ इन सब राक्षसों का वर्णन ऋग्वेद में अंकित वृत्र तथा उसके अनुचरों के वर्णन से मिलता -जुलता है। महिषासुर भी महान असुर सूर्य ही है, जिसकी माता अदिति ने ऋग्वेद में अपने पुत्र आदित्य को महिष अर्थ महान कहकर पुकारा है। महिषासुर का वध भी वृष्टि के द्वारा सूर्य की लोकनाशक प्रवृति के दमन का रूपक है, अन्यथा महिषासुर वध महान आच्छादक वृत्र का ही वध है। विष्णु द्वारा मधू कैटभ का वध संवत्सर द्वारा सूर्य तथा चंद्रमा का नियमवद्ध होना है। वाक ही विष्णु की शक्ति को प्रत्यंचा चढ़ाने वाली है। दुर्गा सप्तशती अध्याय 2 के अनुसार महिषासुर मर्दिनी देवी का जन्म विष्णु अर्थात यज्ञ तथा रुद्र के अर्थात वायु के क्रोध से हुआ। देवी के शरीर में ही सारे देवता हैं तथा देवी ने उन सभी से आयुध लेकर असुर का संहार किया। देवी ने अट्टहास तथा गर्जन के साथ असुर पर प्रहार किया। देवी तथा असुर ने एक दूसरे पर दीप्तिमान अस्त्र फेंके। असुरों के रक्त से बड़ी- बड़ी नदियां बहने लगी। ऋग्वेद का वृत्र भी मारा जाकर जल के रूप में पृथ्वी पर आ गिरा। असुरों के रक्त के विषय में अनेक विद्वानों ने अटकलें लगाई हैं, परंतु मध्य- पूर्व की नील, टाइग्रिस, यूफ्रेटस आदि बड़ी- बड़ी नदियां बाढ़ के दिनों में मिट्टी के कारण लाल रंग की हो जाती हैं। आज भी भारत की नदियों का वर्षा काल में यही हाल होता है। मिश्र में नील की बाढ़ को असरआ अथवा असुर ओसाइरिस का मृत शरीर अथवा रक्त मानते थे। और यव आदि फसल को काटते समय असरआ के लिए रुदन करते थे, क्योंकि अन्न को असरआ के शरीर का खंड माना जाता था। फसल का काटना भी संवत्सर के आरंभ अर्थात मधू मास में होता था। अतएव यह भी मधुमास के असुर मधु का वध है। कौशिक सूत्र के अनुसार अदिति रूप से आकाश, वाक रूप से अंतरिक्ष तथा सीता- काली अथवा दुर्गा रूप से पृथ्वी पर रहने वाली देवी क्रमशः आकाश, अंतरिक्ष, पृथ्वी अथवा निखिलादि विश्व की मातृशक्ति हैं, जिनसे उद्भिद, चतुष्पद तथा द्विपद सभी की उत्पति हुई है। तथा जो अपनी संतान की रक्षा हेतु हिंस्रक शक्तियों का दमन अर्थात असुरों का संहार करती रहती हैं।

शब्द विज्ञानियों के अनुसार महिषासुर मूल रूप से महिष और असुर शब्दों के संयोग से बना है। महिष का सर्वाधिक प्राचीन अर्थ महा शक्तिमान है। यह मह धातु में इषन प्रत्यय जोड़कर बना है, जिनमें गुरुता का भाव है। गुरुता भाव लिए मह धातु से अनेक शब्द बने हैं। जैसे- महा, महान, महत्व महिमा आदि। महिष भी ऐसे शब्दों में से एक है। कालांतर में महा शक्तिमान राजाओं को भी महिष कहा जाने लगा। रानियों को महिषी कहा जाने लगा। पौराणिक ग्रंथों में महिष का अर्थ भैंसा के रूप में भी किया गया है। महिष का एक अर्थ रंग के आधार पर भैंसा भी हो गया। इस प्रकार महिष का अर्थ महाशक्तिमान, राजा और भैंसा है। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार महिषासुर का अर्थ असुरों का राजा है।

असुराति ददाति इति असुरः। अर्थात -जो असु (प्राण) दे, वह असुर (प्राणदाता) है। हिन्दी और संस्कृत का असुर शब्द इसी असु (प्राण) शब्द से निर्मित हुआ है। असुर का निर्माण असु+र से हुआ है। वैदिक कोश के अनुसार असुर शब्द अ+सुर से निर्मित नहीं है, बल्कि असुर शब्द असु में र जुड़ने से बना है। यह सुर (देवता) में अ जुड़कर नहीं बना है। महिषासुर में असुर शब्द राक्षस का नहीं, अपितु प्राण का द्योतक शब्द है। परंतु अब महिषासुर पौराणिक व भारतीय इतिहास का नायक बन चुका है।

नजरिया

विश्व-युद्ध की पृष्ठभूमि में इजरायल, हमास लेबनान ईरान युद्ध

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009 415 415

अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार वैश्विक युद्ध की भूमिका वैसे तो इसराइल और फिलिस्तीन युद्ध ने पहले से ही रख दी थी हिजबुल्ला लड़ाकों ने इजराइल फिलिस्तीन हमास युद्ध के बीच कूद कर युद्ध में आग में घी का काम किया है। इसके अलावा लेबनान ने इस युद्ध में अपने को शामिल अपनी आहुति दे दी। इसराइल ने जिस तरह लेबनान में छिपे हिजबुल्ला के आतंकवादियों को चुन चुन कर निशाना बनाया और उसमें कमांडर नसरूल्लाह की हत्या ने पूरे ईरान और शिया समुदाय को हिलाकर आक्रोशित कर दिया है। ईरान ने इसे अपना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनकर लगभग 300 टारगेटेड मिसाइल इसराइल पर दाग कर विश्व युद्ध की भूमिका तैयार कर दी है। यह अलग बात है कि इजरायल अब अमेरिका के नियंत्रण से बाहर हो गया। अमेरिका और यूरोपीय देश अपनी प्रतिबद्धता के कारण इसराइल को समर्थन दे रहे हैं। अब इजरायल बेलगाम होकर ईरान लेबनान और हमास के आतंकवादियों पर खुलकर हमला कर उन्हें नेस्तनाबूत करने पर उतारू है। इजरायल के इस युद्ध में अरबो रुपए खर्च हो चुके हैं उधर ईरान ने भी लगभग 30 करोड़ की मिसाइल से अपना हमला कर इरादे साफ कर दिए हैं कि अब ईरान भी रुकने वाला नहीं है। इन सब युद्ध की गतिविधियों से विश्वयुद्ध की संभावनाएं बढ़ गई है और विश्व युद्ध वर्तमान की मानवीय सभ्यता के लिए एक गतिहीन अवरोध बन गया है।

उधर अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा है कि दुनिया को इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए और इसमें पूरे संसाधन झोंक देने चाहिए। वैसे भी रूस यूक्रेन युद्ध को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं और युद्ध रोकने के जितने भी प्रयास है असफल हो चुके हैं वैश्विक सभ्यता को संरक्षित, पल्लवित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ और संभवत एकमात्र तरीका रूस-यूक्रेन और इजरायल हमास, फिलिस्तीन, लेबनान और ईरान युद्ध को हर संभव तरीके से रोकना होगा होगा। यह हमला तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत कर सकता है और हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और तहस-नहस हो जाएगी। दावा किया गया है कि पुतिन ने शी जिनपिंग को पहले से ही बता दिया था और दोनों नेताओं की मुलाकात भी हुई थी दोनों ने एक लंबा बयान जारी कर घोषणा की थी कि उन दोनों के बीच संबंधों की और सहयोग की कोई सीमा नहीं है।

पुतिन ने सी जिनपिंग को यूक्रेन के विरुद्ध विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी दे दी थी। तब शी जिनपिंग ने पुतिन से ओलंपिक खेलों के होते तक सैन्य अभियान रोकने की बात कही थी। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की इस कार्रवाई का खुलकर विरोध किया था और युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवार ने भी रूस में अपना विरोध दर्ज किया है। पुतिन को अपनी गलतियों का अब धीरे-धीरे एहसास हो रहा है जब यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा के नागरिकों ने यूक्रेन पर हमले की घोर निंदा की है जबकि पुतिन को उनके समर्थन आशा थी जबकि ऐसा कुछ हुआ नहीं। पुतिन को अब यह एहसास हो गया है कि उन्होंने यूक्रेन पर आक्रमण करके एक बड़ी गलती की है। अब वह संघर्ष विराम के लिए पृष्ठभूमि तैयार करने में लगे हैं जो वर्तमान संदर्भों में संभव नहीं है। क्योंकि विश्व समुदाय का रूस पर भरोसा खत्म हो चुका है। अब या तो पुतिन अपनी हार छुपाने के लिए चाइना की मदद विश्व युद्ध करेंगे या फिर अपनी हार स्वीकार कर अपने पद से इस्तीफा देकर पलायन कर जाएंगे। रूस यूक्रेन युद्ध मैं आज तक कुल मिलाकर 30 लाख करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं और युद्ध खत्म होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिका सहित नैटो देश के सदस्य और अन्य यूरोपीय सदस्य लगातार यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करते आ रहे हैं और इस स्थिति में रूस ही कमजोर नजर आ रहा है क्योंकि रूस के तमाम कमांडर और सैनिकों का मनोबल अब लगातार गिरते जा रहा है, इसके पश्चात रूस के नागरिक भी इस युद्ध के अंदरूनी खिलाफ है जबकि यूक्रेन के नागरिक उसी हौसले और उत्साह के साथ अपने नेता जेलेंस्की के साथ खड़े हुए हैं। अब स्थिति यह है कि यूक्रेन के पास ना तो पैसे की कमी है ना ही हथियारों की, वह लगातार रूसी सैनिकों तथा कमांडरों का जमकर विरोध कर रहा है। ये अलग बात है कि मारियोपोल मैं इमारतों के मलबे के निकालने के पश्चात अलग-अलग जगह से चार पांच सौ दबे हुए शव को निकाला गया है। जिससे वहां जनता के बीच हाहाकार मच गया है। इस युद्ध की विभीषिका से यूक्रेन के लगभग एक करोड़ नागरिक यूक्रेन छोड़कर पोलैंड एवं अन्य देशों में शरण लेकर शरणार्थियों की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। यूरोपीय देश इन शरणार्थियों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए कृत संकल्प हैं और उन्हें किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वैश्विक राजनीति में चीन और रूस सर्वथा अलग-थलग पड़ गए हैं।

ताजा स्थिति के अनुसार अमेरिका ऑस्ट्रेलिया जापान और भारत में टोक्यो सम्मेलन में चीन के बढ़ते औपनिवेशिक वाद के खतरे को भांपते हुए प्रशांत महासागर एवं तीन पेसिफिक क्षेत्र में सैन्य अभ्यास के लिए गठजोड़ कर लिया है। इसी तरह चीन के व्यापारिक फायदों को नुकसान पहुंचाने हेतु अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समूह तैयार कर चीन को वैश्विक राजनीति और आर्थिक योजनाओं से अलग अलग कर दिया है। चीन अब क्वाड सम्मेलन को अपना विरोधी बताकर लद्दाख में अपनी सैन्य तैयारियां भारत के विरुद्ध बढ़ाने में लग गया है। 13 देशों के आर्थिक समुदाय ने भी चीन को एक खुला संदेश देकर चुनौती दे दी है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका तथा चीन के विरुद्ध आर्थिक क्षेत्र तथा सामरिक क्षेत्र में खुली प्रतिस्पर्धा मैदान में आ गई है। अमेरिका वैसे भी पूर्व से ही रूस का विरोधी रहा है अब अमेरिका चीन तथा रूसी गठबंधन को आने वाले समय के लिए एक बड़ा खतरा मानते पूरे विश्व को इन दोनों के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। वैश्विक शांति और सभ्यता को नष्ट होने से बचाने के लिए इन दोनों देशों पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक भी है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत सामाजिक सुरक्षा समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा: पीयूष गोयल

वाशिंगटन/भाषा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत प्रस्तावित सामाजिक सुरक्षा समझौते पर अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगा और इसमें समय लगेगा।

प्रस्तावित समझौते का मकसद प्रवासी भारतीयों के लिए अमेरिका की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का भुगतान करने की आवश्यकता को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को पहले ही सुलझा लिया जाना चाहिए था, जब ऐसा करना अपेक्षाकृत आसान था। गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''अब (अमेरिकी) वित्त विभाग द्वारा जमा किए गए धन का आयाम इतना बड़ा है कि किसी भी सरकार के लिए यह एक बड़ा निर्णय होगा।'' उन्होंने कहा कि जब 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में आई, तो देश ने इस मामले पर अमेरिका के साथ चर्चा की थी।

गोयल ने कहा, ''यह विषय बहुत लंबे समय से उलझा हुआ है और तुरंत हल नहीं होने वाला है... इसलिए हम अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेंगे... इसमें समय लगेगा।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडन सरकार ने भारत में सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों के बारे में देश को विस्तृत प्रश्नावली भेजी थी, जिनका जवाब दे दिया गया है। उन्होंने कहा, ''हमने उनके साथ जो सामाजिक सुरक्षा कवरेज का ब्योरा साझा किया है, उसके अनुसार भारत में लगभग 93 करोड़ लोग शामिल हैं। यह आवश्यक सीमा से अधिक है। इसलिए हम सामाजिक सुरक्षा समझौते पर बातचीत और समाधान के लिए पात्र हैं।'' गोयल और अमेरिकी वाणिज्य मंत्री जीना रायमोंडो ने बृहस्पतिवार को यहां छठी वाणिज्यिक वार्ता की थी।

पश्चिम एशिया पर भारत की करीबी नजर, पर तेल कीमतों को लेकर चिंतित नहीं

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्रालय पश्चिम एशिया में बढ़ रहे तनाव के बीच घटनाक्रम पर करीबी नजर रखे हुए है। हालांकि कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों को लेकर वह चिंतित नहीं है। सरकारी सूत्रों ने शुक्रवार को यह बात कही।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, सरकार के पास कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में अस्थिरता से निपटने के लिए कई साधन मौजूद हैं।

सूत्रों ने कहा कि भारत में कच्चे तेल की कीमतें इसके पहले काफी ऊंचे स्तर पर देखी जा चुकी हैं और मौजूदा कीमतें अभी भी उस स्तर पर नहीं पहुंची हैं।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों को पूरा करने के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। ऐसे में तेल उत्पादक देश ईरान के युद्ध में उलझने पर भारत की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

इजराइल और ईरान के बीच सैन्य संघर्ष की आशंका बढ़ने से पिछले कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देखा जा रहा है। ईरान ने इजराइल के कुछ ठिकानों पर हमले किए हैं जिसके बाद इजराइल की तरफ से जवाबी कार्रवाई की आशंका जताई जा रही है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि उनका प्रशासन ईरान के तेल प्रतिष्ठानों पर हमला करने के लिए इजराइल का समर्थन करेगा।

इस बयान के बाद बृहस्पतिवार को कारोबारी सत्र में कच्चे तेल के वायदा भाव में पांच प्रतिशत तक की तेजी आ गई।

जयशंकर ने श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की

कोलंबो/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और पिछले दो साल में द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने में उनके प्रयासों के लिए आभार जताया। एक दिवसीय यात्रा पर यहां आए जयशंकर, 23 सितंबर को अनुरा कुमार दिसानायके के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पॉवर (एनपीपी) सरकार के सत्ता में आने के बाद श्रीलंका का दौरा करने वाले पहले विदेशी गणमान्य नागरिक हैं।

विक्रमसिंघे श्रीलंका की यूनाइटेड नेशनल पार्टी (यूएनपी) के नेता हैं, लेकिन उन्होंने 21 सितंबर को राष्ट्रपति चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में लड़ा और दिसानायके से हार गए। जयशंकर ने 'एक्स' पर कहा, ''आज श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मिलकर खुशी हुई।'' उन्होंने कहा, ''पिछले दो वर्षों में हमारे संबंधों को आगे बढ़ाने के उनके प्रयासों के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्हें आश्वासन दिया कि भारत श्रीलंका के आर्थिक सुधार और विकास के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।'' साल 2022 में, श्रीलंका में अभूतपूर्व आर्थिक संकट की स्थिति में तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को महीनों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद इस्तीफा देना पड़ा।जुलाई 2022 में, विक्रमसिंघे ने शेष अवधि के लिए पदभार संभाला और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए बिजली तथा ऊर्जा क्षेत्र में कुछ बड़े सुधार किए।

जयशंकर ने श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की; आर्थिक संकट से उबरने में सहयोग का दिया आश्वासन

कोलंबो/भाषा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की और ''दोनों देशों के बीच जारी सहयोग को प्रगाढ़ करने के तरीकों एवं भारत-श्रीलंका संबंधों को मजबूत करने'' पर चर्चा की।

जयशंकर ने श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबरने में भारत के सहयोग जारी रखने के प्रति भी आश्वस्त किया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति के रूप में दिसानायके के शपथ लेने के पखवाड़े भर के अंदर, जयशंकर एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार सुबह यहां पहुंचे। उन्होंने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या और विदेश मंत्री विजिता हेराथ से भी मुलाकात की।

दिसानायके के नेतृत्व वाली 'नेशनल पीपुल्स पावर' (एनपीपी) की सरकार के 23 सितंबर को सत्ता में आने के बाद जयशंकर श्रीलंका का दौरा करने वाले पहले विदेशी राजनयिक हैं। जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''(श्रीलंका के) राष्ट्रपति अनुरा दिसानायके से आज कोलंबो में मिलकर अच्छा लगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।'' उन्होंने पोस्ट में कहा, ''भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए उनकी गर्मजोशी भरी भावनाओं और मार्गदर्शन की सराहना की। दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए जारी सहयोग को प्रगाढ़ करने और भारत-श्रीलंका संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।'' इसके शीघ्र बाद, दिसानायके ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चर्चा पर्यटन, ऊर्जा और निवेश में सहयोग बढ़ाने तथा मत्स्य पालन, सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता पर सहयोग जारी रखने पर केंद्रित रही। उन्होंने कहा, ''भारत के विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर की श्रीलंका की आधिकारिक यात्रा के दौरान आज उनसे मुलाकात की।'' श्रीलंका के राष्ट्रपति ने पोस्ट में कहा, ''डॉ जयशंकर ने श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबरने में भारत के सहयोग की बात दोहराई। मत्स्य पालन, सुरक्षा और राष्ट्रीय एकता पर जारी सहयोग के महत्व पर भी चर्चा हुई।''इससे पहले, श्रीलंका की विदेश सचिव अरुणी विजयवर्धने और श्रीलंका में भारतीय उच्चायुक्त संतोष झा ने हवाई अड्डे पर जयशंकर की अगवानी की।

जयशंकर ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री अमरसूर्या से भी मुलाकात की जिसके बाद उन्होंने दोनों नेताओं की तस्वीरों के साथ 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री डॉ हरिनी अमरसूर्या से आज मिलकर खुशी हुई। उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामना दी। डिजिटिल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा, प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर चर्चा की। दोनों देशों के बी साझेदारी को बढ़ाने के लिए साथ मिलकर काम करने पर सहमत हुए।''

जयशंकर ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ से भी मुलाकात की। जयशंकर ने अपने 'एक्स' हैंडल पर कहा, ''आज कोलंबो में विदेश मंत्री विजिता हेराथ के साथ व्यापक और विस्तृत बातचीत हुई।

लांच

नई दिल्ली में शुक्रवार को अभिनेत्री अदिति पोहनकर सिटीजन प्रोमास्टर फुगु-इंस्पायर्ड लिमिटेड एडिशन वॉच के लॉन्च पर।

फिल्म 'राजाराम' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के मेगा स्टार खेसारीलाल यादव की बहुप्रतीक्षित फिल्म राजाराम का फर्स्ट लुक आज रिलीज कर दिया गया है। खेसारीलाल यादव ने कहा कि वे हमेशा अपने प्रशंसकों के प्यार और समर्थन के आभारी हैं और उनका प्रयास है कि वे अपने काम से सभी को मनोरंजन प्रदान करें। उन्होंने लोगों से अपील की कि भोजपुरी सिनेमा को बेहतर बनाने में सभी का सहयोग मिले। उन्होंने कहा कि फिल्म राजाराम उनके करियर की सबसे खास फिल्मों में से एक है, जिसमें उन्हें एक चुनौतीपूर्ण और अनोखा किरदार निभाने का मौका मिला है।

फिल्म राजाराम के निर्देशक पराग पाटिल ने कहा कि, खेसारीलाल यादव जी से इतने सारे किरदार पर काम करवाना मेरे लिए एक चैलेंज था, जिसमें मुझे बेहद मजा आया। अब उम्मीद है कि जब फिल्म थिएटर में आएगी, तब दर्शकों को भी खूब मजा आयेगा। फिल्म राजाराम टेक्नीशियन फिल्म फैक्ट्री के बैनर तले बनाई जा रही है।इस फिल्म में खेसारीलाल यादव के साथ आर्य बब्बर, राहुल शर्मा, सोनिका गौड़ा, सपना चौहान,के के गोस्वामी,विनोद मिश्रा,संजय महानंद,सुबोध सेठ,वीणा पाण्डेय, निशा तिवारी,अमित शुक्ला, और संजय पांडे मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फ़िल्म के निर्माता पराग पाटिल और आर आर प्रिंस है।फिल्म की शूटिंग अयोध्या के वास्तविक स्थानों पर की गई है। फिल्म के लेखक अरविंद तिवारी हैं, जबकि डीओपी आर.आर. प्रिंस और म्यूजिक कृष्णा बेदर्दी का है।इस फ़िल्म के सभी गाने सारेगामा हम भोजपुरी के यूट्यूब चैनल के साथ-साथ सभी लीडिंग म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध होंगे।

गोविंदा को मिली अस्पताल से छुट्टी

मुंबई/एजेन्सी। बॉलवुड स्टार गोविंदा को आज अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है। गोविंदा 01 अक्टूबर की सुबह पांच बजे कहीं जाने की तैयारी कर रहे थे, वह जब अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर को साफ कर रहे थे, तभी दुर्घटनावश गोली चल गयी जो उनके घुटने में लगी। घटना के समय वह अपने जुहू स्थित घर पर अकेले थे। उन्हें क्रिटिकेयर अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था।वहीं, अब तीन दिनों के बाद गोविंदा को अस्पताल से छुट्टी मिल गयी है।अस्पताल से बाहर आते हुए गोविंदा ने मीडिया से बात की और दुआओं के लिए सभी का धन्यवाद किया। इस मौके पर गोंविदा की पत्नी सुनीता आहूजा भी उनके साथ मौजूद थी। गोविंदा ने कहा कि आप सभी कि कृपा और आशीर्वाद से मैं ठीक हूं।मैं सभी को उनकी प्रार्थनाओं, दुआओं के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं विशेष रूप से अपने प्रशंसकों को मेरे लिए इतनी प्रार्थना करने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं उनके प्यार के लिए तहे दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।

राशि खन्ना और विक्रांत मैसी ने नवरात्रि पर 'द साबरमती रिपोर्ट' का प्रमोशन किया शुरू

मुंबई/एजेन्सी

राशि खन्ना और विक्रांत मैसी अपनी आगामी फिल्म 'द साबरमती रिपोर्ट' के साथ बड़े पर्दे पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने आधिकारिक तौर पर नवरात्रि पर विक्रांत के साथ फिल्म का प्रचार शुरू कर दिया है। उत्सव की भावना को अपनाते हुए, दोनों ने अपनी आगामी रिलीज के लिए देवी का आशीर्वाद मांगते हुए, एक नवरात्रि पंडाल में जाकर फिल्म का प्रचार शुरू किया। 'द साबरमती रिपोर्ट' में, यंग पैन इंडिया स्टार ने एक समर्पित रिपोर्टर का किरदार निभायी है, जो 27 फरवरी, 2002 को गोधरा के पास साबरमती एक्सप्रेस की दुखद घटना के पीछे के रहस्यों को उजागर करती है। इस बीच, विक्रांत मैसी इस खोजी यात्रा में उनके साथ शामिल होते हैं, और कथा को उजागर करने में उत्प्रेरक की भूमिका निभाते है।

'द साबरमती रिपोर्ट' के निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म की बहुप्रतीक्षित रिलीज की तारीख, 15 नवंबर, 2024 की घोषणा की। उन्होंने एक बिल्कुल नए पोस्टर का भी अनावरण किया, जो फिल्म की मनोरंजक कहानी की एक झलक पेश करता है। रंजन चंदेल निर्देशित इस फिल्म के पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर ने काफी हलचल पैदा कर दी है। एक रिपोर्टर के रूप में राशि खन्ना के गहन चित्रण ने लोगों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है, जो अभिनेत्री को एक और महत्वपूर्ण भूमिका में देखने के लिए उत्सुक हैं। आगे देखते हुए, राशि खन्ना 'तालखों में एक' में विक्रांत मैसी के साथ एक बार फिर स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी, जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। उनकी पाइपलाइन में 'तेलुसु कड़ा' नाम की एक तेलुगु फिल्म भी है।

जापान में रिलीज हुई 'लापता लेडीज'

मुंबई/एजेन्सी

जियो स्टूडियोज और आमिर खान प्रोडक्शंस की फिल्म लापता लेडीज जापान में रिलीज हो गयी है। किरण राव निर्देशित फ़िल्म लापता लेडीज' ने अपनी रिलीज के बाद काफी इंपैक्ट डाला है।इस फिल्म की दिलचस्प कहानी और हंसी मजाक से भरी दुनिया ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म में थिएटर्स में खूब प्यार पाया है, इतना ही नहीं इसकी ओटीटी रिलीज ने भी दर्शकों को प्रभावित किया है। यह फिल्म आज जापान में रिलीज हुई है। इसके अलावा, ऑस्कर में एंट्री करने के साथ फिल्म ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली है।

साथ ही फिल्म ने इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024 में बेस्ट फिल्म क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड भी जीता है। ग्रामीण भारत में सेट की गई यह फिल्म दो दुल्हनों की कहानी है जो ट्रेन में सफर के दौरान अपने अपने परिवारों से बिछड़ जाती हैं। इसके बाद कई तरह के उतार चढ़ाव आते हैं और मुश्किल हालात पैदा होते हैं।

'लापता लेडीज' ग्रामीण भारत में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के विषयों पर आधारित एक फिल्म है। फिल्म दो दुल्हनों की कहानी पर आधारित है, जो 2001 में ट्रेन यात्रा के दौरान अनजाने में बदल जाती हैं।

प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और नितांशी गोयल अभिनीत इस फिल्म में एक मार्मिक कथा के साथ एक मजबूत सामाजिक संदेश भी है। जियो स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज़ का निर्देशन किरण राव ने किया है और इसका निर्माण आमिर खान, किरण राव और ज्योति देशपांडे ने किया है।

यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है, जिसकी पटकथा बिप्लब गोस्वामी की एक पुरस्कार विजेता कहानी पर आधारित है। पटकथा और संवाद स्नेहा देसाई द्वारा लिखे गए हैं, जबकि अतिरिक्त संवाद दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखे गए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में 'लापता लेडीज' को भारत के सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में प्रदर्शित किया गया, जिसमें न्यायाधीश, उनके परिवार और अधिकारी शामिल हुए। उस कार्यक्रम में राव ने फिल्म की स्क्रीनिंग में मुख्य न्यायाधीश की पहल के लिए आभार व्यक्त किया।

मार्च में रिलीज़ हुई इस फिल्म में रवि किशन, छाया कदम और गीता अग्रवाल शर्मा ने भी अभिनय किया है। इस साल 96वें ऑस्कर के लिए आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 14 नवंबर है। जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत की गई 'लापता लेडीज' को किरण राव ने निर्देशित किया है और इसे आमिर खान और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है।

ये फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है। ये एक अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है, जो बिप्लब गोस्वामी की है। फिल्म का स्क्रीनप्ले और डायलॉग स्नेहा देसाई ने लिखे हैं। जबकि दिव्यनिधि शर्मा ने एडिशनल डायलॉग्स को आकार दिए हैं।

रजनीकांत की फिल्म 'वेट्टैयन' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत की आने वाली फिल्म 'वेट्टैयन' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी फिल्म 'वेट्टैयन' में रजनीकांत की मुख्य भूमिका है।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन की भी अहम भूमिका है। अमिताभ और रजनीकांत ने अंधा कानून, गिरफ्तार और हम जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम किया है। यह जोड़ी 33 साल के बाद साथ नजर आयेगी। फिल्म वेट्टैयन का ट्रेलर रिलीज हो गया है।'वेट्टैयन' के ट्रेलर में रजनीकांत दमदार एक्शन करते नजर आ रहे हैं। 'वेट्टैयन' का ट्रेलर पुलिस विभाग द्वारा एक अपराध की घटना की पड़ताल करने से शुरू होता है। फिर रजनीकांत की एंट्री होती है और वह अपराधी का पता लगाने में जुट जाते हैं। वह एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की भूमिका में हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन के खिलाफ जाकर अपना काम करते देखा जाता है। ट्रेलर में रजनीकांत कहते हैं, अपराध एक बीमारी की तरह होता है, इसे फैलने नहीं देना चाहिए। वहीं अमिताभ बच्चन कहते हैं, इंसाफ में देरी, इंसाफ न मिलने के बराबर है और इंसाफ में जल्दबाजी, इंसाफ दफना देने के बराबर है।

लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म वेट्टैयन में रजनीकांत और अमिताभ बच्चन के अलावा राणा दग्गुबाती, फहद फाजिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, जीएम सुंदर, रोहिणी, राव रमेश, रमेश थिलक, रक्षण और अन्य सितारे शामिल हैं। इस फिल्म में संगीत अनिरुद्ध रविचंदर का है। 'वेट्टैयन' 10 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी ।

आईएमडीबी शीर्ष 250 भारतीय फिल्मों की सूची में '12वीं फेल' नंबर वन पर

मुंबई/एजेन्सी

इंटरनेट मूवी डेटाबेस (आईएमडीबी) ने शीर्ष 250 भारतीय फिल्मों की सूची जारी की है, जिसमें विधु विनोद चोपड़ा निर्मित-निर्देशित फिल्म 12वीं फेल नंबर वन पर है। आईएमबीडी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शीर्ष 250 भारतीय फिल्मों की सूची जारी की है।इस लिस्ट में आईएमडीबी ने वर्ष 1913 से लेकर वर्ष 2024 तक की फिल्मों के नाम शामिल किए हैं।सूचीबद्ध फिल्मों के लिए 80 लाख से अधिक लोगों ने वोट डाले।इस सूची में पहले स्थान पर फिल्म 12वीं फेल है। 12वीं फेल इसी नाम से आई हिंदी उपन्यास का फिल्मी रूपांतरण है। इस किताब को अनुराग पाठक ने लिखा है।

यह फिल्म आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा और आईआरएस अधिकारी श्रद्धा जोशी के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म में विक्रांत मैसी ने मुख्य किरदार निभाया है। इसके अलावा उनके साथ मेधा शंकर, भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। 12वीं फेल को कई पुरस्कार समारोह में पुरस्कार मिले हैं। आईएमडीबी की टॉप 10 की सूची में 1. 12वीं फेल, 2. गोल माल, 3. नायकन,4. द वर्ल्ड ऑफ अप्पू, 5.अंबे शिवम, 6. पेरीयेरुम पेरुमल, 7. 3 इडियट्स,8. महाराजा,9. मणिचित्राथाझु, और 10. होम शामिल है।सूची में सर्वाधिक सात फिल्में फिल्मकार मणिरत्नम की है,छह फिल्मों के साथ अनुराग कश्यप दूसरे स्थान पर हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 05-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जो व्यक्ति प्राकृतिक जीवन जीता है, वह अपने आप में ऐश्वर्य पूर्ण जीवन जीता है। यह प्रकृति मानवीय मन को समृद्ध बनाने वाली है। उसी प्रकृति के रूप में कोई भाषा है तो वह प्राकृत भाषा है। प्रकृति सबको स्वीकार करती है। प्राकृतिक सौन्दर्य का आनंद ही कुछ और है, वह अनुभव होता है। वह दिल में प्रसन्नता भर देता है। प्राकृत भाषा में अलग ही चमक रही हुई है। हमारे आगम उसी प्राकृत भाषा में लिखे गए। प्राकृत भाषा बोलने, सुनने में बहुत मधुर है। परमात्मा के समय में वही बोली मातृभाषा के रूप में बोली जाती थी। हमारा कर्तव्य बनता है कि प्राकृत भाषा के प्रति प्रेम होना ही चाहिए।

।। श्री महावीराय नमः ।।
।। जय आत्म-आनंद-देवेन्द्र-शिव ।। ।। जय गुरू गणेश-मरूधर केसरी ।।
।। जय युवाचार्य मधुकर-महेन्द्र ।।

राष्ट्रसंत, आचार्य सम्राट श्री आनंदऋषिजी म.सा. के सुशिष्य एवं
वर्तमान आचार्य सम्राट, ध्यान योगी डॉ. श्री शिवमुनिजी म.सा. के आज्ञानुवर्ति
प्रज्ञामहर्षि, आगम ज्ञाता श्रमण संघीय युवाचार्य प्रवर

श्री महेन्द्रऋषिजी म.सा.

58 वां जन्मोत्सव

5 अक्टूबर 2024, शनिवार
सुबह 9.00 बजे

हार्दिक बधाई एवं भावभरी शुभकामनाएं

✻ पावन सान्निध्य ✻

श्रमण संघीय युवाचार्य पू. श्री महेन्द्रऋषिजी म.सा. ठाणा 3
उपप्रवर्तिनी महासतीजी श्री कंचनकंवरजी म.सा ठाणा 6
जिनशासन चन्द्रीका महासतीजी श्री प्रतिभाश्रीजी म.सा ठाणा 5
जिनशासन दीपिका महासतीजी श्री राजमतीजी म.सा 'राजुल' ठाणा 2

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के तत्वावधान में एएमकेएम, पुरुषवाक्कम के प्रांगण में आपका ऐतिहासिक यशस्वी चातुर्मास गतिमान हैं, हम सभी गुरू भक्त आपके स्वास्थ्य की मंगलकामना करते है आपके जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं, आप शतायु हो, दीर्घायु हो, आप इसी तरह जिनशासन की शान में अभिवृद्धि करें,

✻ हार्दिक शुभकामनाओं, मंगलकामनाओं सहित ✻

ABHAY KUMAR USHA SRISRIMAL T.NAGAR
ASHOK KUMAR ASHISH BOHRA CHROMPET
AMARCHAND SURENDRA KUMAR BHANDARI PURASWALKAM
BHIKAM CHAND PADAMCHAND LUNKAD THIRUVALLUR
BHANWARLAL RAMESHKUMAR OSTHWAL OLD WASHERMANPET
DHARMICHAND PRAKASH DEVI SINGHVI T.NAGAR
DILIP ANAND MARLECHA
DEVRAJ PRASANCHAND LUNAWAT KOTHARI ADYAR
DEVRAJ NAVARATANMAL CHORDIA & SONS CHENNAI
GOUTHAMCHAND CHETANKUMAR PATWA PERAMBUR
JUGRAJ GYANCHAND NAHAR & SONS T.NAGAR
JITENDRA KUMAR HARISH JAIN KILPAUK
J.ASHOK NAVEEN GALADA THOUSANDLIGHT
LALIT KUMAR PRADEEP KUMAR BAFNA CHETPET
LEELABAI VIRDHICHAND MARLECHA SOWCARPET
MADAN KAWAR SUMERMAL LUNAWAT KILPAUK
MANAKCHAND RAJENDRA KUMAR SINGHVI ARANI
MANAKCHAND PRAMODKUMAR GOTHI VILLIVAKKAM
MAHAVEERCHAND SURESHKUMAR KATARIYA ARANI
MAHAVEERCHAND RAJESH KUMAR RANKA POLUR
MAHAVEERCHAND PADAMCHAND KANKARIYA PORUR
MAHAVEERCHAND RITHU SURANA PURASWALKAM
MAHAVIRCHAND SANDEEP KUMAR SINGHVI T.NAGAR
MITHALAL ADITYAKARAN PAGARIYA VIRUGAMBAKKAM
MOOLCHAND KAMALCHAND CHALLANI PURASWALKAM
MOHANLAL PRAKASH CHAND GADWANI CHINGLEPET
NAVARATANMAL PRAVEENKUMAR DARDA PURASWALKAM
NEMICHAND RAKESH KUMAR SINGHVI T.NAGAR
RAJENDRA KUMAR RAKESH KUMAR BOHRA KORRUKPET
REKHCHAND RAYABAI SANCHETI PURASWALKAM
RUKMADEVI INDERCHAND KOTHARI IK KILPAUK
SAMPATHRAJ SURENDRAKUMAR BHORA PURASWALKAM
SAJJANRAJ ARIHANT KUMAR TALEDA DHOBIPET
SUVALAL MAHAVEER CHAND KARNAVAT TINDIVANAM
SUGANRAJ SUSILADEVI SAKLECHA KILPAUK
SWAROOPCHAND GOUTHAMCHAND JAMAD. VEPERY
YESWANT KUMAR ASHABAI PUNGALIYA PURASWALKAM

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.